संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-24 ❖ मुंबई ❖ रविवार 04 से 10 जून 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

3 पंकजा मुंडे के बयान से राजनीतिक घमासान

पेज 5 राज्याभिषेक दिवस पर सीएम एकनाथ शिंदे ने किया 3 बड़े एलान!

पेज 7 नरगिस ने वाराणसी में शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

पेज 8 भारतीय लोकतंत्र से पूरी दुनिया का लोक हित जुड़ा है : राहुल गांधी

एक नजर

बंगाल भर्ती घोटालाः सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की विभिन्न नगरपालिकाओं की भर्ती में कथित घोटाले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की अनुमति देने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार की गुहार ठुकराते हुए कहा कि मामले की सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद जुलाई में हो सकती है। न्यायमूर्ति धूलिया की अध्यक्षता वाली पीठ ने हालांकि, पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता सुनील फर्नांडिस से कहा कि छुट्टियों के बाद शीर्ष अदालत के समक्ष 'विशेष उल्लेख' कर तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई जा सकती है।

विधि आयोग समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर काम करने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने विधि आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ यहां शुक्रवार को हुई बैठक के बाद कहा कि यह आयोग समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर काम करने पर विचार कर रहा है। देसाई उस समिति की प्रमुख हैं जो उत्तराखंड के लिए इस संहिता का मसौदा तैयार कर रही है। देसाई और उत्तराखंड के लिए गठित समिति के सदस्यों ने विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी, और सदस्य के.टी. शंकरन, आनंद पालीवाल तथा डी. पी. वर्मा से मुलाकात की। उत्तराखंड सदन में हुई बैठक के बाद देसाई ने संवाददाताओं से कहा, 'यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। क्योंकि हम इस पर (समान नागरिक संहिता) काम कर रहे हैं और वे भी शायद इस पर विचार कर रहे हैं।'

मणिपुर में जातीय हिंसा में 98 की मौत, 310 घायल

इंफाल। मणिपुर में एक महीने पहले भड़की हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान जा चुकी है और 310 लोग घायल हो गये। सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार इस समय 272 राहत शिविरों में कुल 37,450 लोग हैं। उसने कहा कि राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से आगजनी के 4,014 मामले सामने आये हैं। सीएमओ के मुताबिक, 'मौत के मामले 98 रहे और घायलों की संख्या 310 दर्ज की गयी है।'

फडणवीस का दावा

बड़ी संख्या में सामने आए 'लव जिहाद' के मामले, विवाहित व्यक्ति भी कर रहे गुमराह

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कि कि राज्य में गुमशुदगी की शिकायतों की जांच के दौरान बड़ी संख्या में लव जिहाद के मामलों का पता चला है। एकनाथ शिंदे सरकार में गृह विभाग संभालने वाले देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से कहा कि राज्य में गुमशुदगी की शिकायतों का पता लगाने की दर 90 से 95 फीसदी है। उन्होंने कहा, कुछ मामलों में हमने पाया कि झूठे वादे किए गए थे या झूठी पहचान का इस्तेमाल किया गया था। यहां तक कि विवाहित व्यक्ति भी महिलाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि लव जिहाद के मामले भी बड़ी संख्या में सामने आए हैं। फडणवीस ने कहा, मैंने पहले कहा था कि हम इस पर (लव जिहाद) कानून लाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम इस संबंध में विभिन्न मौजूदा कानूनों का अध्ययन कर रहे हैं।" लव जिहाद एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी कार्यकर्ता यह आरोप लगाने के लिए करते रहे हैं कि मुस्लिम पुरुष हिंदू महिलाओं को शादी का झांसा देकर इस्लाम में परिवर्तित कर रहे हैं।

कोरोमंडल रेल हादसे पर शिंदे ने व्यक्त की संवेदना, दी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम भीषण हादसे में लगभग 288 से लोगों की जान जाने की खबर आई है, जबकि 900 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. वहीं, इस हादसे में कइयों को गंभीर चोटें आई हैं. हादसे के बाद देशभर के तमाम बड़े नेताओं ने संवेदनाएं प्रकट की हैं. पीएम मोदी से लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस रेल दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. वहीं, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने ट्वीट कर शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की. एकनाथ शिंदे ने ट्वीट कर लिखा, 'ओडिशा में बालासोर के पास चेन्नई-कोरोमंडल एक्सप्रेस के एक डिब्बे के चट्टान से गिर जाने से हुई भयानक दुर्घटना की खबर दुखद है. हादसे में मारे गए अभागे यात्रियों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि. ईश्वर उन्हें आघात सहन करने की शक्ति दे और प्रार्थना करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हो जाएं.' पटरी से उतरे तीन ट्रेनों के डिब्बे रेलवे अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, हावड़ा की ओर जा रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए. इसके डिब्बे शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकराए. इसके बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे भी पलट गए. कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे उतरने के बाद एक मालगाड़ी से टकराए. इस भीषण हादसे में की लोगों की जान चली गई, वहीं सैकड़ों घायल हो गए. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घटनास्थल पर पहुंच कर मौके का जायजा ले रहे हैं और ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतने बड़े हादसे के पीछे क्या वजह थी. पीएम ने इस मामले में बैठक भी बुलाई है.

एमवीए की सीट बंटवारे में नहीं होगी कोई दिक्क्त -नाना पटोले

मुंबई। आगामी लोकसभा के होने वाले चुनाव को लेकर महाविकास आघाडी में सीट बंटवारे (seat sharing) पर सुचारू तरीके से बातचीत किया जाएगा। क्योंकि हमें किसी भी हाल में लोकसभा सहित अन्य चुनाव में सत्ताधारी पार्टी भाजपा को हराना है. दादर स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय तिलक भवन में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी लोकसभा और जिला पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई है. बैठक के पहले दिन शुक्रवार को पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. पटोले ने कहा कि कांग्रेस संगठन के स्तर पर सभी 48 लोकसभा सीटों पर मजबूत है। हम अधिकतम सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। भले कांग्रेस सभी 48 सीटों की समीक्षा कर रही है लेकिन सीट बंटवारे पर बातचीत करने में कोई समस्या नहीं होगी।' बैठक में इस बात पर चर्चा हो रही है कि आगामी चुनाव में कैसे बड़ी जीत हासिल की जाए। हमारी कोशिश हर जगह की समीक्षा करने की हैं नाना पटोले ने कहा कि राज्य के हर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के पास अपनी संगठनात्मक ताकत है। हालांकि कांग्रेस पार्टी सभी निर्वाचन क्षेत्रों की समीक्षा करेगी, लेकिन इसका महाविकास आघाडी गठबंधन के सीट आवंटन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पटोले ने कहा कि हमारा लक्ष्य बीजेपी को हराना है और इस बैठक के बाद एमवीए की बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। नाना पटोले आगे कहा कि हाल ही में कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार मिली है। 30 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के महत्वपूर्ण प्रत्याशियों की जमानत राशि जब्त हो गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है और भाजपा के खिलाफ लोगों में काफी असंतोष है। देश में उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र 48 लोकसभा सीटों वाला दूसरा बड़ा राज्य है।

मुंबई के जेजे अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी

मुंबईः स्टाइपेंड के भुगतान व सर्जरी से दूर रखे जाने से नाराज जेजे अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों की तीसरे दिन भी हड़ताल जारी रही, जिसके चलते शुक्रवार को मरीजों की मुश्किलें बढ़ गईं। रेजिडेंट डॉक्टरों ने सोमवार से अपनी हड़ताल को राज्य स्तरीय करने की योजना बनाई है। अस्पताल की डीन डॉ पल्लवी सापले ने कहा कि हड़ताल करनेवाले डॉक्टरों के साथ हमारी बातचीत जारी है। हालांकि, डॉक्टरों की इस हड़ताल से होनेवाली परेशानी से बचने के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। शुक्रवार को अस्पताल में कुल 46 सर्जरी की गई। इसमें से 10 बड़ी सर्जरी थी, जबकि 36 छोटी सर्जरी की गई। इस बीच, अस्पताल की ओपीडी में 1,467 मरीज पहुंचे और 55 नए मरीज भर्ती किए गए। फिलहाल अस्पताल में 850 मरीज भर्ती हैं। इससे पहले, बुधवार से अस्पताल परिसर में हड़ताल पर बैठे रेजिडेंट डॉक्टरों ने नेत्र चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ रागिनी पारेख व अस्पताल के पूर्व डीन टी. पी. लहाने के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें अस्पताल से बाहर करने की मांग की।

पहले रेल मंत्री ऐसे हादसों पर इस्तीफा दे देते थे अब कोई बोलने को तैयार नहींः अजित पवार

मुंबईः ओडिशा में शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस एक्सीडेंट मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने रेल विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। रेल विभाग को इसकी जांच कर जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। रेलवे को यात्रियों की जान को अहमियत देनी चाहिए। पवार ने कहा कि पहले रेल मंत्री ऐसे रेल हादसों पर इस्तीफा दे देते थे, लेकिन अब कोई बोलने को तैयार नहीं हैं। बता दें कि ओडिशा के बालासोर में दो ट्रेनों के पटरी से उतरने के बाद मालगाड़ी से टकराने से भीषण हादसा हुआ है। अजित पवार ने कहा, 'ओडिशा के बालासोर जिले में कोरोमंडल एक्सप्रेस दुर्घटना की खबर बेहद दुखद है। इसमें कई यात्री मारे गए और घायल हुए हैं।देश के रेल इतिहास में हुए इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों को हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। साथ ही उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त करते हैं। हादसे में घायल हुए यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी करते हैं। पवार ने यह भी कहा कहा कि हम रेल मंत्रालय से दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं नहीं हों, यह सुनिश्चित करने की अपील करते हैं। इस हादसे में करीब 250 लोगों की मौत हो चुकी है। पहले हावड़ा जा रही 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए और दूसरी पटरी पर जा गिरे। पटरी से उतरे यह डिब्बे 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए। इसके बाद यह डिब्बे मालगाड़ी से टकरा गए।

शिवाजी महाराज ने सुशासन, कल्याण का मार्ग दिखाया - प्रधानमंत्री मोदी

छत्रपति शिवाजी महाराज के 350वें राज्याभिषेक कार्यक्रम में बोले पीएम

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने कहा कि छत्रपती शिवाजी महाराज ने सुशासन, राष्ट्रीय कल्याण, लोक कल्याण का मार्ग दिखाया। उन्होंने गुलामी बंद करना और राष्ट्र निर्माण का व्हिजन दिया,शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महराज के 350वें राज्याभिषेक पूर्ण होने पर रायगढ़ किल्ले पर आयोजित भव्य कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से पीएम मोदी संबोधित कर रहे थे.पीएम मोदी ने कहा कि शिवराय ने स्वराज्य के सपने को साकार किया। कठिन समय में लोगों में विश्वास जगाया। उन्होंने सैन्य नेतृत्व के गुण सिखाए। राष्ट्र निर्माण का विजन दिया, महाराजा के जीवन के कई पहलू हैं। वह कवच के महत्व को समझ गया। उन्होंने किले बनाए जो आज भी है,पीएम मोदी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने एकता और अखंडता को प्राथमिकता दी, उनके इसी विचारों का प्रतिबिम्ब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा में देखा जा सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस ने नई चेतना, नई ऊर्जा दी है। महाराजा का राज्याभिषेक उस युग का एक अद्भुत और विशेष अध्याय है। महाराज ने न केवल आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि लोगों के मन में यह विश्वास भी पैदा किया कि स्वराज संभव है। उनका व्यक्तित्व अद्भुत था।उन्होंने हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि, जिन्होंने हम सभी के लिए एक आदर्श बनाया है इसके साथ -साथ प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के कुशल नेतृत्व पर प्रकाश डाला।प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उनकी सरकार का भाग्यशाली है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर पिछले वर्ष भारत ने गुलामी के एक निशान से नौसेना को मुक्ति दे दी और भारतीय नौसेना के ध्वज पर अंग्रेजी शासन की पहचान को हटाकर शिवाजी महाराज से प्रेरित उनकी राजमुद्रा को जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित किए गए मूल्य हमेशा आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते रहे हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश को अगले 25 वर्षों की यात्रा पूरी करनी है।. प्रतापगढ़ किले के संरक्षण के लिए स्वतंत्र अथॉरिटी - सीएम शिंदे रायगढ़ किले के नीचे 45 एकड़ में शिव सृष्टि का निर्माण किया जाएगा इसके लिए सरकार 50 करोड़ निधी देगी।इसके साथ-साथ प्रतापगढ़ किले के संरक्षण के लिए सरकार स्वतंत्र ऑथरिटी बनाएगी। छत्रपति शिवाजी महराज के 350वें राज्याभिषेक (350t h coronation) पर रायगढ़ किले पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की है.

प्रशासनिक अधिकारियो में बड़ा फेरबदल

कई आईएएस अधिकारियों का तबादला

मुंबई। सप्ताह का आखिरी दिन शुक्रवार राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण रहा. राज्य की एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार ने बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है. इसमें जीएडी विभाग संभालने वाली 1987 बैच की आईएएस अधिकारी सुजाता सौनिक को गृह विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है.एमएमआरडीए के आयुक्त एस. वी. आर. श्रीनिवास, एशिया के सबसे बड़ी झोपडपट्टी धारावी पुर्नविकास परियोजना का ओएसडी नियुक्त किया गया है.इसी तरह आईएसएस अधिकारी लोकेश चंद्रा को महाडिस्कॉम का सीएमडी, श्रीमती राधिका रस्तोगी, प्लानिंग ,विकास योजना विभाग, का आयुक्त,महिला बाल विकास विभाग की सचिव आई.ए. कुंदन को अल्पसंख्यक विकास विभाग का सचिव जबकि जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग सम्भलने वाले संजीव जायसवाल को मुंबई म्हाडा मुंबई विभाग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है.वही आशीष शर्मा, नगर विकास विभाग (2) सचिव,विजय सिंघल को बेस्ट का जीएम,आईएसएस अंशु सिन्हा को ओबीसी माहुजन कल्याण विभाग का सचिव, अनूप कुमार यादव, अल्पसंख्यक विकास विभाग से हटाकर महिला एवं बाल कल्याण विभाग का सचिव बनाया गया है. अपने कार्यो को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाले आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की एक महीने में दूसरी बार बदली की गई है इस बार उन्हें मराठी भाषा विभाग का सचिव बनाया गया है. साल 2007 बैच के आईएसएस अधिकारी डॉ.अमित सैनी, जल जीवन मिशन का मुंबई निदेशक,नासिक मनपा आयुक्त चंद्रकांत पुलकुंदवार को पुणे चीनी आयुक्त नियुक्त किया गया है.इसी तरह डॉ. माणिक गुरसाल, महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड का सीईओ नियुक्त किया गया है।श्रीमती कादंबरी बलकावड़े, पुणे मेडा का डीजी जबकि प्रदीपकुमार डांगे, को जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग का निदेशक पद पर पदस्थापित किया गया है।

नागपुर में मनरेगा में आयुक्त पद की जवाबदारी संभाल रहे आईएएस अधिकारी शांतनु गोयल, सिडको नवी मुंबई संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया है.लातूर के जिलाधिकारी पृथ्वीराज बी.पी. को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का निदेशक, डॉ. हेमंत वासेकर, पुणे में पशुपालन विभाग का आयुक्त जबकि आईआरएस सुधाकर शिंदे को मुंबई मनपा का अतिरिक्त आयुक्त बनाया गया है.

लौटी संबंधों में गर्मजोशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले नौ बरसों में नेपाल के साथ रिश्ते हिट से सुपरहिट हो गए हैं। गुरुवार को नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल प्रचंड के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद पीएम मोदी ने कहा, दोनों देश अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाई पर ले जाएंगे और सीमा सहित सभी मामलों को हल करेंगे। नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' की गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देने के लिहाज से खासी अहम रही। दोनों के बीच एनर्जी, कनेक्टिविटी और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर विस्तृत बातचीत हुई और कई क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया गया, लेकिन इस यात्रा की सबसे बड़ी बात यह है कि दोनों देशों के संबंधों में पिछले कुछ समय से गर्मजोशी की जो कमी दिख रही थी, वह दूर होती महसूस हुई। दोनों निकटतम पड़ोसी देशों के बीच सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संबंधों की पुरानी और समृध्द परंपरा रही है। इनके बीच पांच राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड- से लगती 1850 किलोमीटर लंबी सीमा है। सीमा के आर पार रोटी-बेटी का रिश्ता सदियों से बना हुआ है। इन सबके बावजूद पिछले वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में असाधारण गिरावट देखी गई थी। जहां नेपाल में ऐसा माहौल बना कि भारत उस पर हावी होना चाहता है और उसके क्षेत्रों को हड़पना चाहता है, वहीं भारत में यह धारणा मजबूत हुई कि नेपाल के कुछ नेता चीन के इशारे पर भारत के लिए परेशानी खड़े करने वाली नीति अपनाने पर तुले हुए हैं। बहरहाल, अच्छा है कि वह दौर बीता और अनावश्यक टकराव के बजाय आपसी सौहार्द और

सहयोग के जरिए विकास की गति तेज करने की इच्छा नीति निर्माण के केंद्र में आई। पिछले साल दिसंबर में पद ग्रहण करने के बाद से ही प्रचंड इस बात को लेकर सतर्क दिखे कि उनके किसी कदम से भारत में गलतफहमी न बने। संभवत: इसीलिए यहां आने से पहले उन्होंने चीन के 'बोआओ फोरम फॉर एशिया' का निमंत्रण ठुकरा दिया। भारत के लिए नेपाल की अहमियत द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में तो है ही, पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और सहयोग का माहौल बनाए रखने के लिहाज से भी है। प्रचंड की इस यात्रा में यह बात रेखांकित हुई कि परस्पर सहयोग, सम्मान और विश्वास का रिश्ता न केवल इन दोनों देशों के लिए बल्कि इस पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। उदाहरण के लिए, बिजली को ही लें तो भारत तो नेपाल से बिजली खरीद ही रहा है, नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को भी बिजली की सप्लाई करना चाहता है। बांग्लादेश की भी दिलचस्पी इस प्रॉजेक्ट में है। यह प्रॉजेक्ट आगे बढ़ता है तो तीनों देश लाभान्वित होंगे। ऐसे अन्य मामले भी हैं। बेशक दोनों देशों में सीमा विवाद भी हैं, जो कुछ समय पहले उग्र रूप में सामने आए थे, लेकिन ऐसे विवाद शांति, सहयोग और विश्वास के माहौल में बातचीत के जरिए बेहतर ढंग से सुलझाए जा सकते हैं। इसीलिए दोनों पक्षों ने उन पर जोर देने के बजाय सहयोग और सामंजस्य बढ़ाने की नीति अपनाई है। उम्मीद है कि दोनों देश आपसी समझदारी से अपने पारंपरिक रिश्तों को पीएम मोदी के शब्दों में 'हिमालय सी ऊंचाई' देने में कामयाब होंगे।

दुनिया में सबसे तेज बढ़ी हमारी अर्थव्यवस्था, जानें इंडियन इकॉनमी आया कैसा बदलाव?

विश्व-बाजार में कच्चे तेल के बढ़ते दाम और उस बाजार की अस्थिरता ने हमेशा से भारतीय अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। चाहे वह मुद्रास्फीति के रूप में हो या राजकोषीय और व्यापारिक घाटे के रूप में। ये नकारात्मक पहलू ही आगे चलकर विकास दर, ब्याज दरों और भारतीय मुद्रा की कमजोरी का कारण बनते हैं। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार कच्चे तेल के बाजार की उथलपुथल से प्रभावित न होते हुए अपनी रफ्तार न सिर्फ बनाए रखी, बल्कि उसमें नई धार भी ला दी। आर्थिक मजबूती मॉर्गन स्टेनली रिसर्च ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था की इस अप्रत्याशित उपलब्धि की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसी रिपोर्ट में इस बात का संकेत भी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अमेरिका की आर्थिक मंदी की चपेट में आ जाने की परिपाटी से भी एक हद तक मुक्ति पा ली है। ये दो अहम बिंदु न सिर्फ भारतीय बाजार की बढ़ती ताकत के संकेतक हैं, बल्कि भारत की कूटनीतिक सक्रियता और उसे भारतीय आर्थिक हितों के अनुरूप दिशा देने के सशक्त प्रयासों को भी रेखांकित करते हैं। पिछले एक दशक में कॉरपोरेट टैक्स में लगभग दस प्रतिशत की कमी आई है और प्रभावी टैक्स की दर के 25% के स्तर पर यह एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। आकर्षक टैक्स दरों की वजह से विदेशी निवेश बढ़ाने में मदद मिलती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े हर क्षेत्र में जिस गति से विकास हो रहा है, उसने बाजार को न सिर्फ प्रोत्साहित किया है, बल्कि उसकी उत्पादकता और उसमें लाभ के अवसरों को भी बढ़ाया है। पिछले 9 वर्षों में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई दोगुनी हुई। इसी अवधि में रेलवे में सात गुना से भी अधिक विद्युतीकरण हुआ है और गैर-परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन लगभग चार गुना बढ़ा है। मॉर्गन स्टेनली रिसर्च का अनुमान है कि अगर भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में इसी गति से विकास होता रहा, तो बहुत जल्द ही रसद लागत, जो अभी जीडीपी के 14-15% तक आती है, घटकर लगभग 8% के आसपास रह जाएगी। यह वही स्तर है, जिसमें कोई अर्थव्यवस्था विकासशील से निकलकर विकसित

की श्रेणी में आकर खड़ी हो जाती है। भारतीय बाजार में नगद को डिजिटल लेन-देन बहुत तेजी से पीछे छोड़ रहा है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ा रहा है, बल्कि उसे गतिशील भी कर रहा है। जीडीपी के सापेक्ष डिजिटल लेन-देन 2015-16 में महज 4.4% थी, जो साल 2022-23 में 76.01% हो गई है। इस बदलाव का एक बहुत बड़ा कारण भारत सरकार की वित्तीय समावेशी नीतियां हैं, जिसने समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने को इस बदलाव के लिए मानसिक रूप से और कौशल के साथ तैयार किया। भारतीय अर्थव्यवस्था की पिछले नौ वर्ष की उपलब्धियों का एक और अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू है- प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी)। चाहे मनरेगा का भुगतान हो, वृध्दावस्था पेंशन हो, किसान-सम्मान-निधि हो या छात्रवृत्ति हो, सबमें लाभ सीधे लाभार्थी के बैंक या पोस्ट ऑफिस के खाते में पहुंचाया गया। पिछले नौ सालों में लगभग 29.4 खरब मूल्य का प्रत्यक्ष लाभांतरण लाभार्थियों के खातों में पहुंचा। 2020-21 में ऐसे लाभार्थियों की संख्या लगभग दस करोड़ तक पहुंच गई थी। बाजार की ज़रूरत के अनुरूप रोजगार के अवसर बनाने और बाजार एवं श्रम के बीच एक कारगर पुल बनाने के लिए ई-श्रम एवं श्रम-सुविधा जैसे पोर्टल बनाए गए हैं, जिन पर लगभग तीन करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और उनमें आधे से अधिक महिलाएं हैं। कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान करने वालों की बढ़ती संख्या इस बात की ओर इशारा करती है कि संगठित क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। 2022-23 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 11.50 करोड़ हो गई थी, जो 2020-21 तक महज 8.5 करोड़ ही थी। भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहे इन बदलावों से एक बात जो साफ होती है वह यह कि अब असंगठित क्षेत्र सिकुड़ रहा है और संगठित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। यह इस बात से लगातार साबित भी हो रहा है कि भारत दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। मॉर्गन स्टेनली रिसर्च के भारतीय अर्थव्यवस्था पर किए गए अनुमानों की पुष्टि 31 मई को राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन के आंकड़ों से भी होती है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2022-23 में 7.2% की दर से बढ़ा, जो कि पूरी दुनिया की अहम अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक दर रही। भारत ने राजकोषीय घाटे का अपना 6.4% का लक्ष्य भी पूरा किया। हाथी नहीं, चीता पिछले नौ सालों में भारतीय अर्थव्यवस्था के कायाकल्प को और उसकी आगे की संभावनाओं को मॉर्गन स्टेनली रिसर्च ने बहुत ही उपयुक्त ग्राफिक्स के माध्यम से दिखाया है अपने प्रतिवेदन में। उसमें विशालकाय हाथी को चीता में रूपांतरित होते हुए और लंबी छलांग लगाते हुए दिखाया गया है। हम इस बात की पूरी उम्मीद कर सकते हैं कि वर्तमान आर्थिक नीतियों और उसकी हितपोषक कूटनीतिक प्रयासों की निरंतरता से भारत न सिर्फ अर्थव्यवस्था के आधारभूत मानकों पर और अपनी लोककल्याणकारी योजनाओं से अपनी जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा, बल्कि निवेशकों एवं उद्योगों का पसंदीदा लक्ष्य भी बनेगा।

कांतिलाल ऐ. पटेल

कांग्रेस हाई कमान का क्यों बदला मिजाज

कर्नाटक की जीत कांग्रेस के लिए करिश्माई साबित हुई है। कुछ महीने पहले कांग्रेस ने बीजेपी से हिमाचल प्रदेश की सत्ता भी छीनी थी, लेकिन दक्षिण भारत में उसका एकमात्र दुर्ग ध्वस्त करने के बाद तो देश की सबसे पुरानी पार्टी का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर नजर आ रहा है। आलाकमान को आंखें दिखाने वाले क्षत्रपों को उनकी सीमाएं बताने का काम शुरू हो चुका है। अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिस विपक्षी एकता की खातिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को वार्ताकार बनाया था, अब उसे कांग्रेस अपनी शर्तों पर ही करने के मूड में है। जीत ने क्या बदला कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस को विश्वास हो गया है कि हिमाचल प्रदेश में मिली जीत तुक्का नहीं थी। खुद को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बताने वाली बीजेपी से चंद महीनों के अंदर दो राज्यों की सत्ता छीनने के बाद कांग्रेस को चुनावी जीत का फॉर्म्युला और आत्मविश्वास मिल गया है।

पार्टी को लग रहा है कि सीमित संसाधनों के बावजूद वह स्थानीय नेतृत्व और मुद्दों के सहारे लोक लुभावन वायदों से बीजेपी को मात दे सकती है। उसका यह डर दूर हो गया है कि विरोधी वोटों के बंटवारे का लाभ उठा कर बीजेपी हर बार बाजी मार सकती है।

कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी का जनता दल सेक्युलर भी सत्ता की दावेदारी के साथ चुनाव मैदान में था ही, लेकिन मतदाताओं ने उस स्वयंभू किंगमेकर को लगभग अप्रासंगिक बना दिया।

यह कर्नाटक में मिली शानदार जीत का ही परिणाम है कि अपने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस ने विपक्ष के तीन मुख्यमंत्रियों- दिल्ली के अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के के.चंद्रशेखर राव और पंजाब के भगवंत मान को बुलाया तक नहीं, जबकि तमाम विपक्षी दलों के नेता वहां आमंत्रित थे। बेशक, केसीआर और केजरीवाल के प्रति कांग्रेस की नापसंदगी किसी से छिपी नहीं है और यह एकतरफा भी नहीं है। अतीत में केसीआर और केजरीवाल जो विपक्षी एकता की खिचड़ी पकाते रहे हैं, उसमें कांग्रेस के लिए कोई जगह नहीं थी। अब जबकि हिमाचल और कर्नाटक की जीत ने कांग्रेस के आत्मविश्वास को पंख लगा दिए हैं, वह उन्हें उनकी ही शैली में जवाब देने से नहीं चूकना चाहती। कांग्रेस के इस व्यवहार से

विपक्षी एकता को जो नुकसान हो सकता है, उसे न्यूनतम रखने के लिए नीतीश कुमार अगले दिन दिल्ली आकर आप के संयोजक केजरीवाल से मिले। केंद्र की बीजेपी सरकार से निरंतर टकराव के बीच केजरीवाल अफसरों की तैनाती का सुप्रीम कोर्ट से मिला अधिकार भी अध्यादेश द्वारा छीन लिए जाने के संकट से रूबरू हैं। अपने स्वभाव के विपरीत वह अब भी कांग्रेस से सहयोग के इच्छुक हैं। हालांकि इसकी असली वजह राज्यसभा में अध्यादेश का रास्ता रोकने के लिए कांग्रेस के समर्थन की जरूरत है। सत्ता के खेल की पुरानी खिलाड़ी कांग्रेस भी समझती है कि ऊंट मुश्किल से ही पहाड़ के नीचे आया है। इसलिए दिल्ली-पंजाब के नेताओं से चर्चा के बहाने उसने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस आलाकमान का यह आत्मविश्वास क्षेत्रीय दलों ही नहीं, अपने क्षत्रपों से व्यवहार में भी झलक रहा है। पिछले साल की ही बात है, जब कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे अशोक गहलोत की जगह मुख्यमंत्री के चयन के लिए राजस्थान गए पार्टी पर्यवेक्षकों द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक में अधिकांश विधायक पहुंचे ही नहीं, बल्कि सचिन पायलट के विरुध्द दबाव की राजनीति करते हुए अपने इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को भिजवा दिए। 137 साल पुरानी कांग्रेस के इतिहास में आलाकमान की अवहेलना की वह अभूतपूर्व घटना थी, लेकिन फिर भी पार्टी नेतृत्व गहलोत के बजाय मल्लिकार्जुन खरगे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाने से ज्यादा कुछ नहीं कर सका। जिन पर्यवेक्षकों द्वारा बुलाई गई बैठक का गहलोत समर्थक विधायकों ने बहिष्कार किया था, उनमें खरगे भी शामिल थे। याद रहे कि वर्ष 2020 में कोरोना काल में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत से मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद वैसे ही हालात राजस्थान में भी बन रहे थे, लेकिन राहुल-प्रियंका के आश्वासन पर पायलट मान गए। उस आश्वासन पर अमल हो पाता तो शायद पायलट को अपनी ही सरकार के विरुध्द पहले अनशन और फिर जन संघर्ष यात्रा नहीं करनी पड़ती। बहरहाल, वह कमजोरी अब अतीत की बात लगने लगी है। कांग्रेस हिमाचल और कर्नाटक की जीतों से सबक लेकर आगे बढ़ रही है। उसने समझ लिया है कि स्थानीय मुद्दों पर मुखरता, पार्टी में एकजुटता और रेवड़ियां जीत की कुंजी हैं।

इसलिए गहलोत और पायलट को दिल्ली तलब कर एकता का निर्देश देने में देर नहीं लगाई।

राजस्थान में एकता का क्या फॉर्म्युला निकाला गया है, यह तो अभी साफ नहीं हुआ है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि अकेले गहलोत की मनमानी नहीं चलेगी। मध्य प्रदेश के नेताओं को भी बुला कर समझा दिया गया है।

पार्टी से बड़ा कोई नहीं छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव के बीच छत्तीस का आंकड़ा भी गोपनीय नहीं है। कांग्रेस में गुटबाजी कितनी गहरी है, इसका एक बड़ा उदाहरण हरियाणा भी है, जहां पिछले नौ साल से प्रदेश संगठन नहीं बन पाया है। जबकि इस अवधि में दो लोकसभा और दो विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। अब आत्मविश्वास से लबरेज आलाकमान का संदेश स्पष्ट है : पार्टी से बड़ा कोई नहीं है, सबको पार्टी हित में साथ मिल कर चलना होगा।

भूपत सांवलिया

9 साल, 9 फैसले, वे जो मोदी को बनाते हैं मोदी

किरीट ए. चावड़ा

तारीख थी एक मार्च 2019। तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी संसद और देश को संबोधित कर रहे थे। उनका गला बार बार अटक रहा था। दुनिया की नजरें उन पर टिकी हुई थीं। पाकिस्तान के भीतर घुस सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए भारत के विंग कमांडर अभिनंदन पाक सेना के कब्जे में थे। भारत के भीतर सन्नाटा पसरा हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर आलोचक मौके की ताक में थे। उन्हें उम्मीद थी कि बहुत जल्द उन्हें पीएम मोदी पर तगड़ा हमला करने का मौका मिलने ही वाला है। पर एकाएक तस्वीर पलट गई। इमरान खान ने ऐलान किया कि अभिनंदन को बिना शर्त पूरे सम्मान के साथ तुरंत छोड़ा जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत ने ही घुस कर पाकिस्तान के भीतर हमला किया है, फिर भी शांति की खातिर वे भारत के प्रधानमंत्री से बार बार बात करने की कोशिश कर रहे हैं। यही वह क्षण था जब भारत के 130 करोड़ लोगों के साथ ही साथ दुनिया को ये एहसास हो चला कि अब ये नया भारत है। इस घटना में प्रधाममंत्री नरेंद्र मोदी की आक्रामक रणनीति और तगड़ी कूटनीति ने भारत की एक सशक्त छवि पेश की। वरना यही पाकिस्तान था, जब 2013 में लांसनायक हेमराज के साथ की गई उसके सैनिको की बर्बरता दुनिया ने देखी थी। जाहिर है इस बार पाकिस्तान से अकेले अभिनंदन कुमार नहीं लौटे, पिछले कुछ वर्षों में खोया हुआ भारत के लोगों का आत्मविश्वास भी पुरजोर तरीके से लौटा। दुनिया में स्पष्ट संदेश जा चुका था कि यह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाने वाला नहीं बल्कि दगा करने पर सीमाओं में घुस कर सबक सिखाने वाला नया भारत है। यह ऐसा ऐसा क्षण था जब प्रधानमंत्री मोदी के धैर्य, साहस और उनकी रणनीति ने देश के 130 करोड़ लोगों को खुद के भारतीय होने पर गर्व करने का अवसर दिया। पिछले नौ वर्षों में ऐसे कई मौके आए। इन नौ वर्षों के दौरान यूं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास से लेकर गरीब और महिला कल्याण के क्षेत्र में मिसाल देने जैसे काम किए। परंतु इन नौ वर्षों में उन्होंने नौ ऐसे बड़े निर्णय लिए जो शायद सिर्फ मोदी ही कर सकते थे और जिसके लिए उन्हें इतिहास में सदैव याद रखा जाएगा। अनुच्छेद 370 का खात्मा ऐसा ही एक निर्णय था। हिंदुस्तान से असल में प्यार करने वाले हर सच्चे भारतीय के दिल में अनुच्छेद 370 एक बड़ी टीस थी। तुष्टीकरण के बल पर सत्ता हासिल करने वाले अधिकांश दल 370 के साथ खड़े थे। यह जानते हुए भी कि ऐसा करके वे देश का सर्वाधिक नुकसान ही कर रहे हैं। हैरानी की बात तो ये है कि सदन के भीतर और मीडिया के सामने 370 के पक्ष में बोलने वाले अधिकांश राजनीतिक दलों के लोग कैमरे की जद से हटते ही ये स्वीकार करने से भी नहीं चूकते कि 370 का हटाया जाना देश हित में है लेकिन वोट के लालच में सार्वजनिक तौर पर ऐसा बोल पाना उनके लिए संभव नहीं। ऐसे में 370 का सफाया नामुमकिन ही दिखता था। राजनितिक के मझे हुए लोग दावे करते थे कि 370 हटाना संभव नहीं है। वे कई बार मजाक भी उड़ाते कि 370 हटाने की बात कहना महज एक राजनीतिक स्टंट है। पर पीएम मोदी ने उन्हें भी चौंका दिया। खून की नदिया बहाने और अंतर्राष्ट्रीय अदालतों में मुद्दा उठाने की धमकियों से बेपहवाह पीएम मोदी ने डंके की चोट पर ना सिर्फ 370 हटाई बल्कि कश्मीर में पूरी तरह शांति कायम करने के लिए भी मजबूत कदम उठाए। नहीं तो भला कौन सोच सकता था कि कश्मीर में कभी लाल चौक पर हमारा तिरंगा शान से लहराएगा और सरकारी दफ्तरों से लेकर स्कूल कालेजों तक में राष्ट्रगान और वंदेमातरम का गान भी होगा। हाल ही में जी 20 पर विदेशी मेहमानों की मौजूदगी में कश्मीर में सफलतापूर्वक संपन्न हुए शानदार आयोजन ने दुनिया को कश्मीर की हकीकत से रूबरू भी करा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के खाते में यूं तो पिछले 9 वर्षों के दौरान उपलब्धियां ही उपलब्धियां हैं। पर मुस्लिम बहनों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार कुरीति तीन तलाक को जड़ से खत्म करने का उनका फैसला हमेशा याद रखा जायेगा। पूर्व पीएम राजीव गांधी इस बात के सबसे बड़े उदाहरण हैं कि कैसे प्रचंड जनादेश से बनी कोई सरकार महज वोटों के लालच में जानते बूझते हुए बुराइयों के आगे घुटने टेकती है। तीन तलाक की शिकार देश की बेटी शाहबानो सुप्रीम अदालत से तीन तलाक के खिलाफ आदेश लेकर आईं थीं। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय लागू करने की औपचारिकता भर बची थी। लेकिन इसी बीच कांग्रेस हुकुमत रातों रात बिल ले आई और लोकतंत्र के पवित्र मंदिर से देश की सुप्रीम अदालत का निर्णय पलट दिया। मुस्लिम समाज में ही तीन तलाक के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओ के साथ ही संपूर्ण देश इस सरकार के इस निर्णय से हैरान रह गया। हर कोई यह मान बैठा तीन तलाक की कुप्रथा अब देश से कभी खत्म न हो पाएगी।। पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में चौंकाया। उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार ने संसद के भीतर कानून लाकर तीन तलाक जैसी वाहियात परंपरा को हमेशा हमेशा के लिए दफन कर दिया। मुस्लिम बहनों के साथ ही देश को भी हर दृष्टि से इस फैसले का बड़ा लाभ मिला है और मिलता रहेगा। आज जब नौ वर्षों के कार्यकाल की चर्चा होती है तब बहुत सारे ऐसे काम हैं जिन पर विस्तार से चर्चा हो सकती है पर कई ऐसे फैसले हैं जो देश के युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों व कमजोर तबके को पीएम मोदी का मजबूत प्रशंसक बनाते हैं और वे मानते हैं कि ऐसे निर्णय सिर्फ मोदी के ही वश की बात है। तमाम मर्तबा तो विपरीत विचारधारा से जुड़े लोग भी बंद कमरों में यह मानते हैं कि मोदी ने राजनीति और वोट बैंक की बजाए देश की संप्रभुता, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव को तरजीह दी। विपरीत विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले कुछ मित्र इस बात के लिए पीएम मोदी के प्रशंसक हैं कि 2014 में उनके कमान संभालने के बाद से देश में एक भी आतंकी हमला नहीं हुआ। वरना किसे याद नहीं 2014 के पहले की तस्वीर। काशी हो या अयोध्या और लखनऊ, या फिर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई। आतंकी हमलों ने निर्दोष लोग मारे जाते। दुनिया के सामने हमारी कमजोर छवि प्रस्तुत होती। और कई बार आतंकियों को दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक संरक्षण मिलता।

अचानक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिले शरद पवार

जब विदेश में हैं उद्धव ठाकरे

मुंबई: महाविकास अघाड़ी (MVA) में एक तरफ सीट बंटवारे को लेकर चर्चा चल रही है। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) की शिवसेना और बीजेपी के बीच चर्चा चल रही है। ऐसे में प्रदेश की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है। एनसीपी के सुप्रीमो और वरिष्ठ नेता शरद पवार (Sharad Pawar) गुरुवार रात मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने उनके घर 'वर्षा' पहुंचे। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहली बार था जब शरद पवार ने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। दोनों के बीच आधे घंटे से अधिक समय तक बंद कमरे में बातचीत हुई। हालांकि इस बैठक में हुई चर्चा का ब्योरा सामने नहीं आया। कहा गया कि पवार वर्षा बंगले पर उन्हें मराठा मंदिर संस्था के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में आमंत्रित करने गए थे। दरअसल शरद पवार जब भी महत्वपूर्ण मुद्दों को राज्य के मुखिया के सामने रखना चाहते हैं, तो वे खुद मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर जाते हैं। अभी तक संभावना जताई जा रही थी कि शरद पवार चीनी मिल के सिलसिले में मुख्यमंत्री से चर्चा करने गए थे। यह भी कहा गया कि पवार कृषि और सहकारिता के मुद्दों और संबंधित समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचा सकते हैं लेकिन राजनीतिक हलकों की निगाहें इस मुलाकात पर टिकी थीं। पवार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जबकि उद्धव ठाकरे विदेश में हैं चूंकि उद्धव ठाकरे विदेश में थे, इसलिए शरद पवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने पहुंचे। इससे राजनीतिक हलकों में कई भौंहें तन गईं। वास्तव में इस यात्रा को और महत्वपूर्ण बना दिया है। गौर करने वाली बात यह है कि ऐसा नहीं लगता कि पवार एकनाथ शिंदे की बहुत आलोचना करते हैं। क्यों अहम है शरद पवार और एकनाथ शिंदे की मुलाकात? एनसीपी नेताओं की चल रही ईडी की जांच। श्रीकांत शिंदे के विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी नेताओं की चहल-पहल बढ़ती ही जा रही है। शिंदे की शिवसेना के नेता बीजेपी से नाराज हैं। देश से बाहर होने पर उद्धव ठाकरे ने भौंहें चढ़ा लीं। शरद पवार ने एकनाथ शिंदे की कभी आलोचना नहीं की है। लोकसभा चुनाव के सिलसिले में यात्रा का महत्व। राजनीतिक गलियारे में क्या है चर्चा राजनीतिक गलियारे में क्या है चर्चा दरअसल शरद पवार जब भी महत्वपूर्ण मुद्दों को राज्य के मुखिया के सामने रखना चाहते हैं, तो वे खुद मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर जाते हैं। अभी तक संभावना जताई जा रही थी कि शरद पवार चीनी मिल के सिलसिले में मुख्यमंत्री से चर्चा करने गए थे। यह भी कहा गया कि पवार कृषि और सहकारिता के मुद्दों और संबंधित समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचा सकते हैं लेकिन राजनीतिक हलकों की निगाहें इस मुलाकात पर टिकी थीं। उद्धव विदेश में हैं तब मुलाकात के बदले मायने उद्धव विदेश में हैं तब मुलाकात के बदले मायने चूंकि उद्धव ठाकरे विदेश में थे, इसलिए शरद पवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने पहुंचे। इससे राजनीतिक हलकों में कई भौंहें तन गईं। वास्तव में इस यात्रा को और महत्वपूर्ण बना दिया है। गौर करने वाली बात यह है कि ऐसा नहीं लगता कि पवार एकनाथ शिंदे की बहुत आलोचना करते हैं। क्यों अहम है पवार और शिंदे की मुलाकात? क्यों अहम है पवार और शिंदे की मुलाकात? एनसीपी नेताओं की चल रही ईडी की जांच। श्रीकांत शिंदे के विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी नेताओं की चहल-पहल बढ़ती ही जा रही है। शिंदे की शिवसेना के नेता बीजेपी से नाराज हैं। देश से बाहर होने पर उद्धव ठाकरे ने भौंहें चढ़ा लीं। शरद पवार ने एकनाथ शिंदे की कभी आलोचना नहीं की है। लोकसभा चुनाव के सिलसिले में यात्रा का महत्व।

पंकजा मुंडे के बयान से राजनीतिक घमासान

मुंबई। अपने बयान को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली राज्य की पूर्व मंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे (Pankaja Munde) के एक बयान से एक बार फिर राज्य का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय समाज पक्ष द्वारा आयोजित अहिल्या बाई होलकर (Ahilya Bai Holkar) के 128 जयंती पर कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे ने भाषण देते हुए कहा कि मैं भाजपा से हूं लेकिन भाजपा मेरी नहीं है। क्योंकि भाजपा एकलौती पार्टी नहीं है क्योंकि महादेव जानकर की अपनी पार्टी है, यह पार्टी बहुत बड़ी है, मैं इसकी कार्यकर्ताओं में से एक हूं. पंकजा मुंडे के इस बयान के बाद राज्य की राजनीति गरमाई गई है. उनके इसी बयान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं.पंकजा मुंडे के भाषण से पहले राष्ट्रीय समाज पक्ष के संस्थापक महादेव जानकर ने भाषण दिया जिसमे उन्होंने कहा कि भाजपा पंकजा मुंडे की पार्टी है जानकर के इस बयान पर वो बोल रही थी.मुंडे यहां नहीं रुकी उन्होंने आगे कहा कि मैं किसी से डरने वाली नहीं हूँ मुझे किसी बात की चिंता नहीं है अगर मुझे कुछ नहीं मिला तो हमारे पास खेत है जहाँ जाकर गन्ने की खेती करुँगी। हमें कुछ बड़ा मिले इसकी अपेक्षा नहीं है.दिल्ली में पंकजा मुंडे का ऐसे मौके पर बयान आया जब पूरी भाजपा इस समय मोदी सरकार (Modi government) के नौ साल पूरे होने पर महाजनसंपर्क अभियान शुरु कर दिया है. बयान को तोड़मड़ोरकर दिखाया गया - बावनकुले पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे के बयान से राज्य में शुरू राजनीतक घमासान (political bickering) पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रतिक्रिया दी है उन्होंने कहा कि मुंडे के बयान को तोड़ - मड़ोरकर दिखाया गया है. पंकजा मुंडे ने अपने बयान में यह भी कहा है कि पूरी भाजपा मेरे साथ खड़ी है. बावनकुले ने कहा कि पंकजा मुंडे पार्टी ने पार्टी के विरोध में कोई ऐसा बयान नहीं दिया है जिससे पार्टी को नुकसान हुआ है उन्होंने अपने वक्तब्य में कहा है कि पार्टी मेरे साथ खड़ी है.भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंकजा मुंडे के बयान को तोड़ - मड़ोरकर दिखाया गया है.पंकजा मुंडे जब अपने ही पार्टी के विरोध में बयान आया हो तो विपक्ष कैसे चुप रह सकता है ऐसे में विपक्षी पार्टी के नेता ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है. बिना परिणाम के पंकजा मुंडे ले फैसला -संजय राउत पंकजा मुंडे के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत (Sanjay Raut) ने कहा कि पंकजा मुंडे मने अपना दर्द बयां कर दिया है। जिनके पिता और वो खुद की पार्टी को शून्य से शिखर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. राउत ने कहा कि राजनीतिक घराने के लोग बिना परिणाम सोचे फैसले लेंगे तभी उनका वजूद बचेगा।' चर्चा के बाद पार्टी में शामिल किया जाएगा - अनिल देशमुख इस बीच राकांपा के नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख (Anil Deshmukh) ने भी पंकजा मुंडे के बयान पर कहा कि अगर पंकजा मुंडे राकांपा में शामिल होना चाहती हैं, तो बीड जिले में नेता धनंजय मुंडे और अन्य स्थानीय नेताओं के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि पंकजा मुंडे को पार्टी में शामिल करने पर राकांपा प्रमुख शरद पवार फैसला अंतिम फैसला होगा।

प. बंगाल : एक जून से बिना कुलपति कार्य करेगा यादवपुर विश्वविद्यालय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में यादवपुर विश्वविद्यालय के मौजूदा कुलपति सुरंजन दास का कार्यकाल 31 मई को समाप्त होने के बाद प्रतिष्ठित संस्थान बृहस्पतिवार से प्रमुख विहीन हो गया। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने उनका उत्तराधिकारी तलाशने के लिए अभी तक कोई समिति नहीं बनाई है। यादवपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेयूटीए) के एक पदाधिकारी ने कहा कि कुलपति नहीं होने का प्रभाव आने वाले दिनों में सामने आएगा क्योंकि विभिन्न विषयों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की शुरुआत होनी है। राज्य ने बुधवार को अपने विश्वविद्यालयों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की थी। दास का कार्यकाल दूसरी बार 24 जून, 2021 को दो साल के लिए या उनके 70 साल के होने तक (दोनों में से जो भी पहले हो) बढ़ाया गया था। जेयूटीए के महासचिव पार्थ प्रतिम रॉय ने बृहस्पतिवार को बताया कि नए कुलपति की नियुक्ति में किसी भी तरह की देरी से अनिश्चितता बढ़ेगी और संस्थान के शैक्षणिक वर्ष पर भी असर पड़ेगा क्योंकि नए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश जल्द ही शुरू होगा।

कश्मीरी कार्यकर्ता वकार भट्टी पर मामला दर्ज

जम्मू। जम्मू पुलिस ने एक विशेष समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में कश्मीरी कार्यकर्ता वकार भट्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय बजरंग दल की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख राकेश कुमार की शिकायत के आधार पर वकार भट्टी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। राकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि भट्टी ने बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है।

17 प्रजातियों के पशु-पक्षी लाए गए जम्बू चिड़ियाघर में

नगरोटा। जम्मू में जम्बू चिड़ियाघर के उद्घाटन के कुछ दिनों बाद तेंदुआ, काला भालू, हिरण सहित 17 विभिन्न प्रजातियों के पशु-पक्षी लाए गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित और 3,200 कनाल क्षेत्र में फैले 'जम्बू चिड़ियाघर' का उद्घाटन रविवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा किया गया था। एक एकड़ क्षेत्र आठ कनाल के बराबर होता है। जम्बू चिड़ियाघर के वन्यजीव वार्डन अमित शर्मा ने बताया, 'हमारे पास 3,200 कनाल क्षेत्र है। जहां तक क्षेत्र की बात है तो हम बड़े चिड़ियाघरों में गिने जाएंगे। हम यहां 17 प्रजातियों के पशु-पक्षियों को लाए हैं।' इन प्रजातियों में तेंदुए, मोर, हिरण, नीलगाय, जंगली सूअर और बंदर शामिल हैं।

बारामूला में आतंकियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने बृहस्पतिवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि फ्रेश्तिहार क्रीरी गांव में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में मिली विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबलों ने फ्रेश्तिहार वारीपोरा क्रॉसिंग पर एक मोबाइल वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) स्थापित की।

नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता हजम नहीं कर पा रही कांग्रेस: अनुराग ठाकुर

मुंबई: केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को दावा किया कि कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (P M की लोकप्रियता हजम नहीं कर पा रही है। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने विदेश दौरे में न केवल प्रधानमंत्री बल्कि पूरे देश का अपमान कर रहे हैं। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री ठाकुर ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत विश्व की आशा और विकास का प्रतीक है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेता ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मोदी को 'बॉस' कहा है। वहीं इतालवी प्रधानमंत्री ने मोदी को दुनिया के सबसे प्रिय नेता करार दिया है। दुनिया के अन्य नेता भी मोदी के नेतृत्व का सम्मान करते हैं। कांग्रेस इसे पचा नहीं पा रही है और पहले ब्रिटेन में और अब अमेरिका में प्रायोजित कार्यक्रम में (वह) यह व्यक्त कर रही है। नई संसद हुआ सवाल तो अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर कसा तंज, देखें 'राहुल के कार्यक्रम में लगते हैं भारत विरोधी नारे' राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना का हवाला देते हुए ठाकुर ने कहा कि भारत विरोधी नारे लगाए जाते हैं और राहुल गांधी ऐसे कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि होते हैं। दरअसल पिछले महीने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की थी और उन्हें 'दुनिया का सबसे प्रिय नेता' करार दिया था।'ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मोदी को कहा था बॉस' ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने हाल में नरेंद्र मोदी का जिक्र 'द बॉस' के तौर पर किया था और कहा था कि उनके भारतीय समकक्ष का स्वागत ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हुआ है वैसा स्वागत तो अमेरिकी रॉक स्टार ब्रूस स्प्रींगस्टीन का भी तब नहीं हुआ था जब वह वर्ष 2017 में सिड्नी के उसी स्थान पर आए थे जहां पर मोदी का स्वागत हजारों भारतीयों ने किया।

भारत-नेपाल संबंधों को हिमालय की ऊंचाई तक ले जाने की कोशिश जारी रखेंगे:मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेपाली समकक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' के साथ व्यापक बातचीत के बाद गुरुवार को कहा कि भारत और नेपाल अपने द्विपक्षीय संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों तक ले जाने एवं सीमा मुद्दे सहित सभी मामलों को हल करने का प्रयास करेंगे. मुलाकात के बाद अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने और प्रचंड ने भविष्य में दोनों देशों के बीच साझेदारी को 'सुपर हिट' बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं. वार्ता के बाद, पीएम मोदी और प्रचंड ने संयुक्त रूप से कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया. दोनों पक्षों ने व्यापार और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सात समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए. दोनों नेताओं ने वर्चुअल रूप से भारत के रूपईडीहा और नेपाल के नेपालगंज में एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन किया. उन्होंने बिहार के बथनाहा से नेपाल कस्टम यार्ड तक एक मालगाड़ी को भी वर्चुअली हरी झंडी दिखाई. पीएम मोदी ने प्रचंड की उपस्थिति में कहा, 'हम अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करना जारी रखेंगे. और इसी भावना से हम सभी मुद्दों को सुलझाएंगे, चाहे वह सीमा संबंधी हो या कोई अन्य मुद्दा.' उन्होंने आगे कहा कि सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए, पीएम प्रचंड और मैंने फैसला किया कि रामायण सर्किट से संबंधित परियोजनाओं में तेजी लाई जानी चाहिए. दक्षिण एशिया क्षेत्र में नेपाल अपने समग्र रणनीतिक हितों के लिहाज से भारत के लिए बेहद अहम है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने 'रोटी बेटी' संबंध का उल्लेख किया है, जो दोनों देशों के लोगों के बीच सीमा पार विवाह को संदर्भित करता है. पड़ोसी देश नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड – के साथ 1,850 किमी से अधिक की सीमा साझा करता है. लैंडलॉक नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है. लैंडलॉक देश से मतलब ऐसे क्षेत्रों से है, जहां की सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ी होतीं. नेपाल की समुद्र तक पहुंच भारत के माध्यम से है, और यह अपनी आवश्यकताओं का एक प्रमुख हिस्सा भारत से और उसके माध्यम से आयात करता है. 1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों का आधार है.

नाला सफाई को लेकर पहले दिन ही आई 33 शिकायत

मुंबई। मनपा प्रशासन ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देश पर नाला सफाई की शिकायत को लेकर हेल्प लाइन नंबर शुरू किया।मनपा ने चैटबोट 9324500600 नंबर जारी किया।इस नंबर पर पहले दिन ही 33 शिकायत आई ।मनपा के इस हेल्प लाइन पर आई कुल 33 शिकायतो (33 complaint) में 20 शिकायत मनपा के अधिकारियो ने खुद की थी कि हेल्प लाइन नंबर ठीक से कार्यरत है कि नही जबकि 13 मुंबई के लोगो ने अपने इलाको में नाला सफाई नहीं होने की शिकायत की।मनपा के पास पहले दिन ही आई इतनी बड़ी संख्या में अब यह सवाल खड़ा किया जाने लगा है कि नाला सफाई 100 प्रतिशत पूरी हुई है कि नही। बता दे कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले दिनो नाला सफाई का दौरा करने के बाद नाला साफ हुआ है। लेकिन लोगो इसके बावजूद नाला सफाई को लेकर शिकायत करने के लिए हेल्प लाइन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री ने 1 जून से 10 जून तक लोगो से अपील की थी की नाला सफाई नहीं होने पर फोटो भेजकर शिकायत करें । गुरुवार को पहले दिन ही कुल 33 शिकायत आई जिसमे 20 शिकायत मनपा अधिकारी खुद जांच के लिए किए थे लेकिन 13 शिकायत मुंबई के आम नागरिकों की भी आई। मनपा प्रशासन की ओर से कहा गया कि जो शिकायत आई वहा कचरा पड़ा होने की शिकायत आई है। नाला में कीचड़ नही कचरा पड़ा हुआ था जिसे लोग रोजाना फेक देते है।मनपा की ओर से कहा गया कि उसे भी तत्काल साफ कर दिया जाएगा।

जितेंद्र आव्हाड की जमानत हो सकती है रद्द

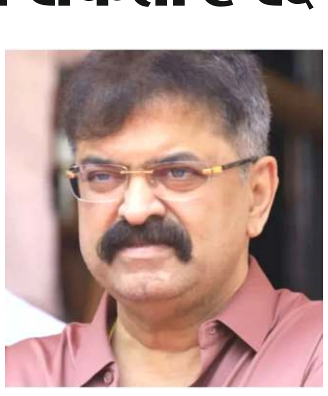

ठाणेः इंजीनियर अनंत करमुसे पिटाई मामले में आरोपी एनसीपी के मौजूदा विधायक जितेंद्र आव्हाड की जमानत को रद्द करने की कवायद जल्द ही शुरू हो सकती है। एसीपी गजानन काबदुले ने 493 पन्नों की तीसरी (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट ठाणे कोर्ट में फाइल की है। इस मामले में आरोपी एनसीपी कार्यकर्ता दिलीप यादव पुलिस गवाह बन गया है। 5 अप्रैल 2020 की रात आव्हाड के बंगले पर हुई पूरी वारदात को लेकर उसका बयान सीआरपीसी की धारा 306 के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किया गया है। चार्जशीट में दो नई धाराएं 364 (अ) अपहरण और 120 (ब) आपराधिक साजिश भी जोड़ी गई हैं, साथ ही दो अन्य पुलिसकर्मियों के बयान भी दर्ज हैं, जिससे आव्हाड की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल उद्धव ठाकरे समर्थक शिवसेना कार्यकर्ता रोशनी शिंदे की पिटाई मामले में महाविकास आघाडी द्वारा पुलिस प्रशासन के खिलाफ निकाले गए मोर्चे में भाषण के दौरान आव्हाड ने करमुसे घटना का जिक्र किया था। उनके हाथों में विभिन्न फोटोग्राफ भी थे। ठाणे पुलिस ने एक मराठी न्यूज चैनल के कार्यालय से आव्हाड के उक्त भाषण की सीडी अपने कब्जे में ले ली है। इसमें से 16 मिनट के भाषण की ट्रांसस्क्रिप्ट पुलिस ने अहम सबूत के तौर पर चार्जशीट में जोड़ी है। आव्हाड का भाषण सबसे बड़ा सबूत एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, भाषण में आव्हाड ने स्वीकार किया है कि उनके लोगों ने करमुसे की पिटाई की थी। यह आव्हाड के खिलाफ एक और अहम सबूत है। करमुसे को उसके घर से जिस गाड़ी में आव्हाड के बंगले पर लाया गया था, वह म्हाडा की थी। उस सरकारी वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी को फोरेंसिक जांच के लिए भेजकर उसकी पुष्टि करा ली है।

उद्धव ठाकरे गुट का होने जा रहा NCP में विलय, 19 जून की तारीख तय

मुंबई. उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना दावा कर रही है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के अधिकांश विधायक और सांसद महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले 'मूल पार्टी के पाले में लौटना चाहते हैं' और उनमें 'अशांति' बढ़ रही है. शिवसेना (यूबीटी) के सांसद विनायक राउत ने सोमवार को दावा किया कि 'शिंदे गुट में शामिल होने वाले हमारे कुल 40 विधायकों में से 22 विधायक उद्धव सेना में लौटने की योजना बना रहे हैं. और, हमारे 13 में से 9 सांसद जो शिंदे के साथ बागी हो गए थे, वे भी इसी राह पर चलना चाहते हैं. हाल ही में, उद्धव और उनके कई सहयोगियों ने भी इसी तरह के दावे किए थे, जिसमें कहा गया था कि मूल पार्टी छोड़ने वाले नेता अपने दल-बदल का 'पछतावा' कर रहे हैं. पार्टी ने कहा कि शिवसेना के सांसदों एवं विधायकों ने ठाकरे परिवार को 'धोखा देकर' भाजपा से हाथ मिला लिया, लेकिन एक ही साल में उनका मोहभंग हो गया और उनके अलग होने की बात होने लगी है. सीएम शिंदे ने उद्धव सेना के दावों को उनकी 'कल्पना' और 'बनी-बनाई सोच बताकर सिरे से खारिज कर दिया है.शिंदे गुट के मंत्री दीपक केसरकर ने कहा, 'कई विधायक और सांसद जो उद्धव ठाकरे के साथ बने हुए हैं, वास्तव में पाला बदलने के लिए सही मौके का इंतजार कर रहे हैं. वे उद्धव सेना छोड़ देंगे और 2024 के चुनाव से पहले शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो जाएंगे.' शिंदे सेना के एक अन्य मंत्री ने यहां तक दावा किया कि 'इस तरह के पलायन के बाद, केवल उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे ही शिवसेना (यूबीटी) में रहे जाएंगे.' इन दावों और प्रतिदावों के बीच, यह बात बनी हुई है कि शिंदे सेना के नेताओं में एक कथित बेचैनी शुरुआत से ही रही है. इसके कई नेता, जिनमें मंत्री भी शामिल हैं, अक्सर शिकायत करते हैं कि भाजपा के साथ गठबंधन सरकार में रहने के बावजूद उनके साथ सही व्यवहार नहीं हो रहा है. शिंजे गुट के विधायकों और सांसदों के बीच यह एक आम बात रही है कि केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार होने और राज्य में सहयोगी दल होने पर भी उनकी भूमिका पहले स्तर पर ना होकर दूसरे दर्जे की है. गौरतलब है कि ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 2019 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया था

पेट में दर्द-ऐंठन कुछ मामलों में गंभीर रोगों का हो सकता है संकेत, इन लक्षणों पर दें ध्यान

राज के.वेगड़

पेट की दिक्कतें कई कारणों से हो सकती हैं। अपच-एसिडिटी के कारण दर्द-पेट फूलने से लेकर पाचन की गंभीर समस्याओं में भी इससे मिलते-जुलते लक्षण देखे जा सकते हैं। यही कारण है कि अगर आपको पेट की कोई भी समस्या होती रहती है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना आवश्यक हो जाता है। डॉक्टर कहते हैं, कई बार पेट के दर्द को सामान्य मानकर अनदेखा करना भारी पड़ सकता है, यह गंभीर गैस्ट्रोइंटस्टाइनल समस्याओं का संकेत भी हो सकती है जिसमें त्वरित उपचार जरूरी होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पेट की सामान्य हो या गंभीर, दोनों प्रकार की समस्याओं में मिलते-जुलते लक्षण हो सकते हैं। यही कारण है कि इसका सही निदान और समय पर इलाज आवश्यक है। आइए जानते हैं कि किन लक्षणों को अनदेखा करना आपके लिए समस्याकारक हो सकता है?

खाने के बाद पेट में दर्द होना

भोजन के बाद पेट में होने वाला दर्द काफी सामान्य है, आमतौर पर यह अधिक खाने या गैस के कारण हो सकता है। पर कुछ स्थितियों में इसे क्रोहन डिजीज का एक सामान्य लक्षण भी माना जाता है। अगर आपको अक्सर भोजन के बाद पेट दर्द की दिक्कत होती रहती है तो इस बारे में किसी डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।क्रोहन डिजीज, आंतों से संबंधित रोग है जिसमें आपके गैस्ट्रोइंटस्टाइनल ट्रैक्ट में सूजन हो जाती है। इसपर ध्यान न दिया जाए तो सूजन के बढ़ने और अन्य पाचन अंगों को भी प्रभावित करने का जोखिम हो सकता है।

पेट में सूजन या अक्सर फूलने की दिक्कत

यदि आपका पेट अक्सर सूजा हुआ रहता है तो सामान्यतौर पर इसे गैस माना जाता है। हालांकि अगर लंबे समय तक यह दिक्कत बनी रहती है तो इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे पेट में ऊतकों की वृद्धि, किसी प्रकार का संक्रमण या हर्निया आदि। आपकी आंतों में अगर कोई समस्या होती है तो भी पेट फूला हुआ रह सकता है। ऐसी स्थिति में आपको ऐंठन, भूख न लगने और शौच करने में भी परेशानी हो सकती है।

इनमें से कोई भी लक्षण होने पर आपको तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द

पेट के अलग-अलग हिस्सों में दर्द के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। जैसे पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द को अपच और पित्त की समस्याओं से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि अगर ये समस्या आसानी से ठीक नहीं होती है तो इसके लिए पित्ताशय की थैली में होने वाली समस्याओं को भी एक कारण माना जा सकता है।

आमतौर पर ऐसा तब होता है जब पथरी के कारण आपके पित्ताशय की थैली से पित्त का प्रवाह अवरुद्ध होने लगता है। पथरी की समस्याओं का समय पर उपचार किया जाना आवश्यक है।

हमेशा पेट भरा हुआ महसूस करना

भोजन के एक-दो घंटे तक आपका पेट भरा हुआ होना सामान्य है पर अगर आपको ऐसी दिक्कतें अक्सर बनी रहती हैं तो संभव है कि ये अल्सर या जीईआरडी (गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग) के कारण हो रहा हो।

मधुमेह की समस्या के शिकार लोगों में इस तरह के लक्षण अधिक होते रहते हैं।

कुछ प्रकार के कैंसर, ओवरी की समस्याओं या पैंक्रियाटिक रोग के कारण भी आपको अक्सर पेट भरा हुआ महसूस होता रह सकता है।

देश में बढ़ रहे हैं टाइफाइड के मामले, डॉक्टर से जानिए इसके कारण और बचाव के तरीके

देश के कई राज्यों में इन दिनों टाइफाइड के मामले बढ़ रहे हैं। आमतौर पर इसके पीछे का कारण दूषित पानी और भोजन होता है। दरअसल, टाइफाइड बुखार साल्मोनेला टाइफी नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। इस बैक्टीरिया को फैलाने के लिए मक्खियां जिम्मेदार मानी जाती हैं। वह जहां भी बैठती हैं, इन बैक्टीरिया को छोड़ देती हैं। फिर हम अगर उसी दूषित पानी या बाहरी भोजन का सेवन कर लेते हैं, तो टाइफाइड का खतरा हो सकता है। टाइफाइड के कारण बुखार, पेट दर्द और उल्टी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। हाल ही में जारी एचएमआईएस (HMIS) की रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर, नागालैंड और बिहार के बाद तेलंगाना देश वो राज्य हैं, जहां 25% से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इसी कड़ी में आइए डॉक्टर से जानते हैं कि इस मौसम में टाइफाइड के मामलों का अधिक बढ़ने के पीछे क्या कारण है और इससे कैसे सुरक्षित रहा जा सकता है? क्यों बढ़ रहा है टाइफाइड ? वर्तमान में टाइफाइड के मामले बढ़े हैं, इसके कारण और बचाव के बारे में जानने के लिए हमने डॉ श्रेय श्रीवास्तव (इंटरनल मेडिसिन, ग्रेटर नोएडा) से संपर्क किया। डॉक्टर श्रेय बताते हैं कि, दूषित पानी और भोजन के सेवन से टाइफाइड होता है। गर्मियों में खाना जल्दी खराब होता है, जिसके ऊपर मक्खियां बैठने लगती हैं। ये मक्खियां भोजन को दूषित कर सकती हैं। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग इसकी चपेट में ज्यादा जाते हैं। बच्चों को टाइफाइड का अधिक खतरा होता है, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और उनमें पर्सनल हाइजीन कमी के कारण वह इसका शिकार हो जाते हैं। वायरल फीवर से कैसे अलग है टाइफाइड का बुखार? डॉक्टर श्रेय बताते हैं टाइफाइड का बुखार होने पर शरीर में कंपकपी नहीं होती, जबकि वायरल फीवर में अक्सर लोग ठंड की शिकायत भी करते हैं। टाइफाइड के दौरान भूख में कमी, पेट में दर्द और रैशेज होने लगते हैं। इसके अलावा उल्टी की समस्या बनी रहती है।

वायरल फीवर शरीर में तीन से चार दिन तक रहता है। हालांकि, टाइफाइड का बुखार अधिक समय तक रहता है। सही समय पर इसका इलाज न होने पर स्थिति गंभीर हो सकती हैं। ऐसे में समय रहते इसका चेकअप कराएं। क्या कोविड पेशेंट को टाइफाइड से है खतरा? वर्तमान में कोविड-19 सक्रिय मामलों की संख्या 3,736 के आसपास है। ऐसे में क्या उन्हें टाइफाइड से खतरा है? इस विषय पर डॉक्टर श्रेय ने बताया कि, यदि किसी कोविड पेशेंट का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर है, तो उन्हें टाइफाइड से अधिक खतरा हो सकता है। पर्सनल हाइजीन मेंटेन न होने पर या बाहरी भोजन का सेवन करने से कोविड पेशेंट इस बीमारी की चपेट में जल्दी आ सकते हैं।

चार्ल्स पटेल

हालांकि, उपचार का तरीका समान होता है। टाइफाइड के बचाव कैसे करें? टाइफाइड के बचाव के बारे में डॉक्टर श्रेय का कहते हैं, यदि आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां का पानी दूषित है तो विशेष सावधानी बरतें। आप इसके बचाव के लिए टाइफाइड वैक्सीन लगवा सकते हैं।

साथ ही जब भी पानी का इस्तेमाल करें, तो पहले इसे गर्म करें और फिर ठंडा करने के बाद इसका उपयोग करें। इसके अलावा भोजन को साफ तरीके से पकाएं और पर्सनल हाइजीन का भी ध्यान रखें।

ध्यान रखें, टाइफाइड पर्सन टू पर्सन फैलने वाली बीमारी नहीं है। हालांकि, इस दौरान कुछ सावधानियां रखना बेहद जरूरी हैं। यदि आपके परिवार में किसी सदस्य को टाइफाइड होता है, तो इसके पीछे की वजह जानने का प्रयास और उससे बचाव करें।

महिलाओं में कॉमन है ब्रेस्ट कैंसर, डॉक्टर्स की सलाह- 40 की उम्र में जरूर करें ये काम

महेक जोबनपुत्रा

ब्रेस्ट कैंसर, महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख जोखिम कारक है। अमेरिकन कैंसर एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल करीब तीन लाख महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चलता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक साल 2020 में दुनियाभर में, 2.3 मिलियन (23 लाख) महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान किया गया और यह वैश्विक स्तर पर 6.85 लाख से अधिक मौतों का कारण भी बना।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस कैंसर के इतने खतरनाक और जानलेवा होने का कारण है- समय पर समस्या का निदान न हो पाना। अगर महिलाएं इसके लक्षणों की समय रहते पहचान कर लें तो इलाज के माध्यम से न सिर्फ कैंसर को बढ़ने से रोका जा सकता है, साथ ही इसके कारण होने वाले मृत्युदर को भी कम किया जा सकता है। 40 की आयु सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकन कैंसर सोसाइटी (एसीएस) के विशेषज्ञों का कहना है, स्तन कैंसर का जोखिम अब

पहले की तुलना में जरूर कम हुआ है, लोगों में जागरूकता बढ़ी है, साथ ही इसके प्रारंभिक लक्षणों की पहचान और उपचार के चलते कैंसर का इलाज आसान हो गया है। वैसे तो 30 की आयु में भी इस कैंसर के लक्षण देखे जा सकते हैं हालांकि 40 की आयु तक इसके मामले ज्यादा स्पष्ट होने लगते हैं। अगर सभी महिलाएं 40-45 की आयु में कैंसर के निदान के लिए सुरक्षात्मक तौर पर मेमोग्राम टेस्ट करा लें तो इससे शुरुआती चरणों में ही समस्या का निदान किया जा सकता है। क्या कहते हैं विशेषज्ञ? एसीएस के शोधकर्ता कहते हैं, जितनी जल्दी आप बीमारी का पता लगाएंगे, इलाज करना उतना ही आसान होगा। मैमोग्राम, स्तन का एक्स-रे टेस्ट होता है जो ट्यूमर का पता लगाने में सहायक है। औसतन 45-54 वर्ष की महिलाओं को वार्षिक मैमोग्राम जरूर करवाना चाहिए। 55 साल की उम्र के बाद मैमोग्राम हर 2 साल में किया जा सकता है। यूएस प्रिवेंटिव सर्विसेज टास्क फोर्स का कहना है कि 50 की आयु तक सभी महिलाओं को डॉक्टर से परीक्षण के बारे में जरूर सलाह लेनी चाहिए। यही एक परीक्षण आपमे इस जानलेवा कैंसर के जोखिमों को पता लगाने में सहायक हो सकता है। खुद से भी करती रहें जांच टेस्ट के साथ-साथ सभी महिलाओं को स्तन की खुद से भी जांच जरूर करते रहना चाहिए। स्तन या निप्पल में अगर आपको कोई गांठ महसूस होती है तो इस बारे में तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें। वैसे स्तन में होने वाली 80 प्रतिशत गांठ, कैंसर कारक नहीं होती हैं। ये हानिरहित अल्सर या आपके मासिक धर्म चक्र से संबंधित ऊतकों में परिवर्तन के कारण भी हो सकती है। हालांकि सुरक्षात्मक तौर पर डॉक्टरी सलाह जरूर लें। स्तन कैंसर का हो सकता है इलाज यदि आपकी गांठ, टेस्ट में कैंसर कारक पाई जाती है तो घबराएं नहीं, इसका इलाज हो सकता है। जितनी जल्दी इसका पता चल जाए, उतना अच्छा है। दवाइयों, थेरपी और उपचार के अन्य माध्यमों से कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोका जा सकता है। समय पर अगर कैंसर का इलाज हो जाता है तो यह आपमें जोखिमों को कम करने और मृत्यु के खतरे से बचा सकती है। ब्रेस्ट कैंसर के बारे में थोड़ी सी जागरूकता आपको गंभीर समस्याओं से बचाने में सहायक है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के लिए सप्ताह उत्तम है लेकिन आलस्य हावी रहने के कारण कई काम अटक भी सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा लेकिन ससुराल पक्ष से किसी बात पर विवाद संभव है। इस पूरे सप्ताह स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी बात का अत्यधिक तनाव न लें। नौकरीपेशा और व्यापारियों को कार्य पर अधिक ध्यान देना होगा।

वृषभः इस सप्ताह कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत अधिक करनी होगी। नए कार्य प्रारंभ करना ठीक रहेगा। पुराने कार्यों को आगे बढ़ाने की कोशिश करें सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। जीवनसाथी से किसी बात पर मनमुटाव हो सकता है।

मिथुनः इस सप्ताह भूमि, संपत्ति संबंधी काम तेज गति से पूरे होंगे। आर्थिक संकटों का समाधान प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य रहेगा। मांगलिक प्रसंग आएंगे। सप्ताह कार्यों के लिए उन्नतिदायक रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। लाभ के अनेक अवसर मिलेंगे। पारिवारिक यात्राएं होंगी। पुराने निवेश से लाभ आएगा।

कर्क : यह सप्ताह आपके लिए शुभ है। आर्थिक संकट कम होगा। फंसा हुआ पैसा लौटने के योग बनेंगे। पारिवारिक कार्य उत्तम तरीके से होंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने के योग हैं। कार्य तेज गति से होंगे। नौकरीपेशा को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरी बदलने की इच्छा है तो प्रयास करें। व्यापारियों के लिए सप्ताह धीमा रहेगा।

सिंह : सप्ताह शुभ है। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग हैं। अनेक लाभदायक अवसर आएंगे। युवाओं को नए जॉब ऑफर आ सकते हैं। आर्थिक संकटों में कुछ कमी आएगी। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा। परिवार के साथ मनोरंजक यात्राएं कर सकते हैं।

कन्या : आर्थिक लिहाज से सप्ताह उत्तम है। धन का आगमन होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी। अपने क्रोध और व्यवहार को संयमित रखें। नौकरीपेशा को प्रमोशन मिल सकता है। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। नए कार्य प्रारंभ करेंगे। स्टार्टअप में निवेश करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा। नए प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं।

तुला : सप्ताह शुभ है और कार्य तेज गति से होंगे। खासकर जो काम लंबे समय से अटके हुए हैं वे पूरे हो जाएंगे। शारीरिक और मानसिक परेशानियां दूर होंगी। आर्थिक संकट भी कम होगा और धन की आवक होगी। पारिवारिक जीवन उत्तम तरीके से चलेगा। आपसी सामंजस्य रहेगा। नौकरीपेशा को राहत रहेगी। व्यापारियों को कार्य पर ध्यान देना होगा।

वृश्चिक : सप्ताह थोड़ा परेशानीभरा रह सकता है। स्वास्थ्य में गड़बड़ी आ सकती है। खानपान में सतर्कता बरतें। आर्थिक समस्या का समाधान मिलेगा, पैसा आएगा किंतु अभी संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। नए निवेश न करें व्यापारियों के कार्य में शिथिलता रहेगी। नौकरीपेशा को कार्यस्थल पर तनाव महसूस होगा।

धनु : सप्ताह सामान्य है। कुछ कार्य पूरे होने की ओर अग्रसर होंगे तो कुछ अटक सकते हैं। कार्य और परिवार के बीच तालमेल बनाना होगा। कुछ विचलित करने वाली बातें होंगी किंतु तनाव न लें, ये सब तात्कालिक हैं। आर्थिक स्थिति में अवश्य सुधार आएगा। कार्यस्थल पर सहयोगियों का सपोर्ट रहेगा। व्यापारियों का काम सामान्य रहेगा।

मकर : सप्ताह शुभ और सामान्य रहेगा। कोई कार्य अटकेगा नहीं और कुछ नए कार्य भी प्राप्त हो सकते हैं। कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने का प्रयास करें। सप्ताह में कुछ अच्छे अवसर भी मिलेंगे। मानसिक शांति प्राप्त होगी। परिवार के साथ मनोरंजक और अच्छा समय बिताएंगे। कार्यस्थल पर अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी।

कुंभ : सप्ताह सामान्य है किंतु ध्यान रखें कि अपने कार्य स्वयं ही करें। दूसरों के भरोसे न छोड़ें वरना हानि उठानी पड़ सकती है। व्यापारी वर्ग को कार्य विस्तार के लिए लोन लेना पड़ सकता है। नौकरीपेशा को नई जिम्मेदारियां मिलने के योग हैं। इस सप्ताह वाहन मशीनरी का प्रयोग करते समय सतर्कता रखनी होगी।

मीन : सप्ताह शुभ और प्रगतिदायक है। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे। परिवार के साथ पर्यटन का मौका आएगा। भूमि, भवन, संपत्ति के कार्य होंगे। मानसिक और शारीरिक शांति अनुभव होगी। नौकरीपेशा को थोड़ी भागदौड़ रह सकती है। व्यापारियों को कर्ज लेना पड़ सकता है। अविवाहितों के विवाह की बात इस सप्ताह बन सकती है। नए प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

चुटकुले

बिहार में शादी हो रही थी।
उस शादी में दुल्हन का प्रेमी भी आया था...
दुल्हन के बाप : आप कौन हैं?
प्रेमी: जी मैं सेमी फाइनल में फेल हो गया था, फाइनल देखने आया हूं...
प्रेंमी का जवाब सुनकर दुल्हन का बाप बेहोश हो गया।

टीचर- तुम इतनी देर से स्कूल क्यों आए हो?
बच्चा- मम्मी-पापा लड़ रहे थे।
टीचर- वो लड़ रहे थे तो तुम क्यों देर से आए?
बच्चा- मेरा एक जूता पापा के पास तो एक मम्मी के पास था।

जीएम मॉड्यूलर ने अपने उत्पादों को श्रीलंका में लॉन्च करने के लिए क्रिकेटर अर्जुन राणातुंगा के साथ की साझेदारी

मुम्बई। घरेलू इलेक्ट्रिकल उत्पादों के क्षेत्र में एक अग्रणी कंपनी जीएम मॉड्यूलर ने अब श्रीलंका के बाज़ार में भी अपना विस्तार करने का फ़ैसला किया है. जीएम मॉड्यूलर की स्थापना साल 2002 में की गई थी. कंपनी को स्विच, एलईडी लाइट, पंखे, होम ऑटोमेशन, स्विचगियर, वायर, केबल, पाइप और अन्य क्रांतिकारी और उच्च गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण के लिए जाना जाता है. कंपनी ने बेहद कम अवधि मे अपने नाविन्यपूर्ण उत्पादों के चलते दुनिया भर में अपनी एक अनूठी पहचान बनाने में कामयाबी पाई है. जीएम मॉड्यूलर ने सरहदों को पार करते हुए कई देशों के बाज़ारों में अपनी जड़ें जमाई है, जिनमें यूएई, स्पेन, स्विट्ज़रलैंड, केन्या, दक्षिण अफ़्रीका, नेपाल और अन्य कई देशों का शुमार है.उल्लेखनीय है कि जीएम मॉड्यूलर ने 23 मई, 2023 को अपने उत्पादों को श्रीलंकाई बाज़ार में उतारने का ऐलान किया. इसके लिए कंपनी ने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज़ क्रिकेट खिलाड़ी और एक प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले अर्जुन राणातुंगा के एक साथ ख़ास साझेदारी की भी घोषणा की. अर्जुन राणातुंगा को एक ऐसे महान श्रीलंकाई खिलाड़ी के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने अपने देश की एक साधारण से क्रिकेट टीम को एक सशक्त और लोकप्रिय टीम बनाने में विशेष भूमिका निभाई थी, जिसके बाद दुनिया भर में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की अपनी एक अलग पहचान बनी. उनके नेतृत्व में श्रीलंकाई टीम ने 1996 में विश्व कप जीता था.जीएम मॉड्यूलर ने इस बात की पुष्टि की कि अर्जुन राणातुंगा श्रीलंका में कंपनी के विशेष चैनल पार्टनर होंगे. मुम्बई में दोनों के बीच इस साझेदारी की घोषणा के दौरान बॉलीवुड से लेकर कॉरपोरेट जगत की कई बड़ी हस्तियां ने अपनी मौजूदगी दर्ज़ कराई.जीएम मॉड्यूलर के सीईओ और एमडी जयंत जैन ने कहा कि श्रीलंका एक बेहद ख़ूबसूरत देश है. हाल ही में कोविड से जुड़ी चुनौतियों का सामने करने के बावजूद श्रीलंका आर्थिक विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है. इतना ही नहीं, श्रीलंका में रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन उद्योग में भारी तेज़ी देखी जा रही है, जिससे वहां पर घरेलू इलेक्ट्रिकल उत्पादों की भारी मांग देखी जा रही है. हम अपने उत्पादों को श्रीलंका में लॉन्च करने को लेकर काफ़ी उत्साहित हैं. पड़ोसी मुल्क होने के नाते हम दोनों की संस्कृति एक समान है और दोनों मुल्कों में और भी समानताएं हैं. मुझे पूरी उम्मीद है कि श्रीलंका में हमारे उत्पादों पर वहां के लोग गहरा विश्वास दिखाएंगे और वहां के उपभोक्ता बड़े पैमाने पर हमारे उत्पादों को खरीदेंगे. श्रीलंकाई क्रिकेटर अर्जुन राणातुंगा को अपना साझेदार बनाया है. पूरी दुनिया उन्हें उनकी क्रिकेटीय उपलब्धियों के लिए जाना जाता है. हमें पूरी उम्मीद है कि हम राणातुंगा की निगरानी में ऐसे इलेक्ट्रिकल उत्पाद श्रीलंकाई बाज़ार में पेश करेंगे, जो सभी को पसंद आएं और सभी के लिए सुविधाजनक साबित हों.अर्जुना राणातुंगा ने इस मौके पर कहा कि मैंने निजी तौर पर जीएम के कई उच्च गुणवत्ता वाले व नाविन्यपूर्ण उत्पादों का अनुभव किया है. उनके पास स्विच, लाइट, पंखे की एक बड़ी रेंज मौजूद है. मैं उनके उत्पादों के डिज़ाइन और हरेक उत्पाद की हाई क्वालिटी से काफ़ी प्रभावित हूं. श्रीलंका में ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की भारी मांग है. मुझे इस बात की पूरी उम्मीद है कि ये साझेदारी आगे भविष्य में दोनों देशों में ऐसी और भी कई साझेदारियों की बड़ी बुनियाद साबित होगी.

“द आर्ट फेअर” का उद्घाटन आशिष शेलारजी के हाथों हूआ

50 आर्ट गॅलरी एवंम भारत के मशहूर कलाकारोंकी कलाकृतीयाँ का भव्य प्रदर्शन4 जून तक नेहरू सेंटर में

आईसीएसी और जे एस आर्ट गॅलरी द्वारा आयोजित “द आर्ट फेअर” का भव्य आयोजन 1 से 4 जून, 2023 के बीच मुंबई मे वरली स्थित नेहरू सेंटर में किया गया | इस आर्ट फेअर का उदघाटन श्री आशीषजी शेलार (बीजेपी अध्यक्ष, मुंबई) के हाथों हुआ | इस अवसर पर श्री विनोदजी शेलार, श्री अमित बारूट, श्री हिमांशु शाह, डॉ मुदास्सिर ख्वाजा सहित कई कला और उद्योग क्षेत्र के दिग्गज मौजूद थे | इंटरनेशनल क्रिएटिव आर्ट सेंटर (आईसीएसी) के संस्थापक तथा आर्ट प्रमोटर रविंद्र मारडिया और जे एस आर्ट गॅलरी के संस्थापक तथा आर्ट प्रमोटर सूरज लाहेरू द्वारा आयोजित इस आर्ट फेअर में 50 से ज्यादा आर्ट गॅलेरी तथा मशहूर चित्रकार और शिल्पकारोंद्वारा बनायी गयी एक हजार से ज्यादा कलाकृतीयाँ देखने को मिलेगी | द आर्ट फेअर में राबी आर्ट गॅलरी (शांतिनिकेतन), डोलना आर्ट गॅलरी (मुंबई), तूलिका आर्ट गॅलरी (मुंबई), एमिनेंट आर्ट गॅलरी (दिल्ली), गॅलरी 16 (दिल्ली), जेड आर्ट गॅलरी (मुंबई), डेसर्ट आर्ट गॅलरी (दुबई), कला संस्कृती आर्ट गॅलरी (मुंबई), प्राची आर्ट गॅलरी (मुंबई), श्रीजन आर्ट गॅलरी (नवी मुंबई) ऐसे विविध आर्ट गॅलरी तथा रबींद्रनाथ टागोर, नंदलाल बोस, बिनोद बिहारी मुखर्जी, रामकिंकर बैज, एम एफ हुसैन, एफ एन सौजा, गणेश पायने, सोमनाथ हारे, सुहास रॉय, शक्ति बर्मन, जामिनी रॉय, बिकास भट्टाचार्य, लालू प्रसाद शॉ, के जी सुब्रमनियन, के लक्ष्मण गौड़, जोगेन चौधुरी, बोस कृष्णामाचारी, माधवी पारीख, परेश माइटी जैसे मशहूर मास्टर कलाकारोंकी कलाकृती प्रदर्शित की गई है | 4 जून तक रोज सुबह 11 से रात 8 बजे तक सभी कलाप्रेमी इस आर्ट फेअर का नि:शुल्क लाभ उठा सकते है |

ग्राहकों की इच्छा के बिना मोबाइल नंबर नहीं मांग सकते विक्रेता

देश भर से लगातार शिकायतें मिलने पर सरकार ने दिया स्पष्टीकरण

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया शॉपिंग मॉल, मल्टी चैन स्टोर,मॉडर्न ट्रेड के माध्यम से खरीदारी के समय मोबाइल नंबर देने के लिए मजबूर किए जाने पर उपभोक्ताओं से बहस की घटनाएं आम हैं। संपर्क नंबर नहीं देने की स्थिति में सामान की गुणवत्ता खराब निकलने पर उसे बदलने या वापस लेने में विक्रेता बहाने बनाते हैं। इस तरह के मामले में ग्राहक बेवजह परेशान होते हैं। देश भर के उपभोक्ताओं से मिली शिकायतों के बाद केंद्र सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है। सरकार ने साफ कहा है कि ग्राहकों की इच्छा के विपरीत मोबाइल नंबर नहीं लिया जाना चाहिए।कान्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि छोटे व्यापारी मोबाइल नंबर नहीं मांगते। यह चलन सिर्फ बड़े शॉपिंग माल, मल्टी चैन स्टोर और मॉडर्न ट्रेड में है। सरकार का यह निर्णय सराहनीय है। कोई शॉपिंग मॉल किसी अन्य को ग्राहकों का डाटा बेच रहा है तो इसकी जांच होनी चाहिए।उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने प्रमुख उद्योग संगठनों को पत्र लिख कर वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री के समय ग्राहकों की इच्छा के बिना मोबाइल नंबर नहीं लेने को कहा है। इसमें लिखा है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जानी चाहिए। ग्राहकों की इच्छा के विपरीत मोबाइल नंबर और व्यक्तिगत जानकारी नहीं ली जानी चाहिए।शंकर ठक्कर ने आगे बताया कि कई जगह मोबाइल नंबर अब भी मांगा जाता है। कुछ जगहों पर जरूर मोबाइल नंबर नहीं लेते। लेकिन ग्राहकों को अभी इसकी जानकारी नहीं है कि मोबाइल नंबर देना अनिवार्य नहीं है। मोबाइल नंबर लेने पर सामान बेचने वालों का फायदा है। इसका दुरुपयोग भी हो सकता है।उपभोक्ता मामलों के विभाग ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फिक्की, एसोचैम, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और कांफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) को चिट्ठी लिखी है। इसमें हिदायत है कि दुकानदारों को ग्राहकों से मोबाइल नंबर उनकी मर्जी के बिना नहीं लेना चाहिए।:

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री : श्री शंकर ठक्कर

एल्बम ‘अपनी मोहब्बत’ का फर्स्ट पोस्टर रिलीज

अभिनेता राजवीर शर्मा ने निभाई है गाने में मुख्य भूमिका

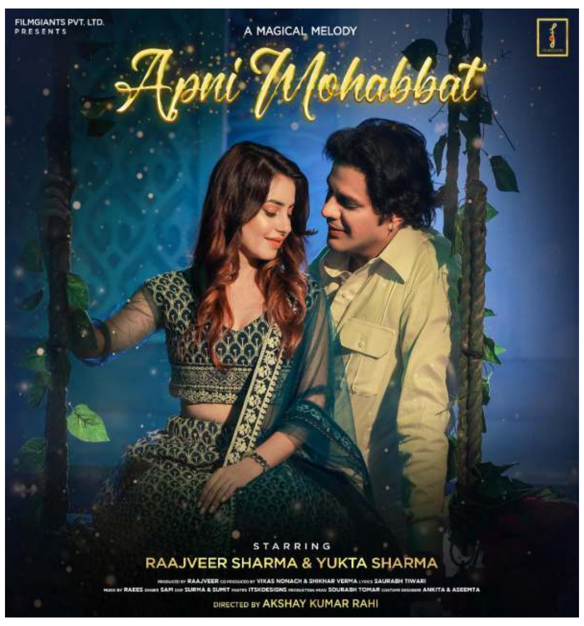

फिल्म जायेंट कंपनी द्वारा हिंदी म्यूजिक एल्बम ‘अपनी मोहब्बत’ का निर्माण किया जा रहा है जिसका पहला पोस्टर आज रिलीज किया गया है। पोस्टर में राजवीर शर्मा और युक्ता की जोड़ी जबरदस्त लग रही है रिलीज से पहले ही यह गाना फिल्मी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

इस गाने को श्री सौरभ तिवारी ने लिखा है। यह गाना उनकी प्रसिद्ध किताब ‘अनायास ही’ में प्रकाशित हो चुका है। इस गाने का म्यूजिक बॉलीवुड के जाने-माने म्यूजिक डायरेक्टर रईस ने दिया है और उनके बेटे मैंने इस गाने में अपनी आवाज दी है।

हाल ही में कश्मीर की राजधानी श्रीनगर की डल झील पर और दिल्ली के स्टूडियो पिक्चर डेस्टिनेशन में इस गाने की शूटिंग संपन्न हुई। इस गाने में फिल्म अभिनेता राजवीर शर्मा मुख्य हीरो का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ दिल्ली की युक्ता शर्मा मुख्य अभिनेत्री के रोल में नजर आएंगी। युक्ता शर्मा इस गाने से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है।

गौरतलब है इस म्यूजिक एल्बम का निर्देशन म्यूजिक वीडियो के डायरेक्टर अक्षय राही ने और प्रोडक्शन हेड सौरभ तोमर ने किया है। इस गाने के सह निर्माता हरियाणा के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री विकास नोनाच और इंदौर के बिजनेसमैन श्री शिखर वर्मा है। कश्मीर में शूटिंग के दौरान अभिनेता राजवीर शर्मा ने बताया कि इस गाने की रिकॉर्डिंग मुंबई में की गई थी और इस गाने की शूटिंग पहले हिमाचल प्रदेश में की जानी थी।

राजवीर ने यह भी बताया कि यह गाना उनके दिल के बेहद करीब है क्योंकि इस गाने को सौरभ तिवारी जी की किताब ‘अनायास ही’ से उन्होने खुद चुना है। इसमें सभी कलाकारों, सिंगर, म्यूजिक डायरेक्टर और साथ-साथ पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है।

जब राजवीर शर्मा से पूछा गया कि युक्ता शर्मा का काम उन्हें कैसा लगा तो उन्होंने कहा कि युक्ता बेहद टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उन्होंने में काम बखूबी निभाया है कलाकारों को काम दिखाने का मौका मिलना चाहिए तभी वह अच्छा काम कर पाते हैं

गीतकार श्री सौरभ तिवारी ने बताया उनके लिए यह गाना सिर्फ गाना नहीं है बल्कि सपनों से परे की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी किताब ‘अनायास ही’ को लिखते वक्त उन्होंने यह सोचा भी नहीं था कि इसमें से किसी कविता पर कभी कोई बॉलीवुड का गाना भी बनेगा। राजवीर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा यह सब राजवीर शर्मा के वजह से संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि जून महीने में ही यह गाना धूमधाम से रिलीज किया जाएगा और बॉलीवुड एवं देश-विदेश की बड़ी हस्तियां इसकी रिलीज में शामिल होंगी।

फिल्म जायेंट कंपनी इस वर्ष 50 से अधिक म्यूजिक एल्बम का निर्माण कर रही है जोकि अपने आप में बॉलीवुड में एक बड़ी प्रोडक्शन कंपनी की तरह उभर रही है। इस वक्त कश्मीर में राजवीर शर्मा की आने वाली कई म्यूजिक एल्बम्स की शूटिंग चल रही है साथ ही हुए अपनी अगली फिल्म की तैयारी में भी जुटे हैं। राजवीर शर्मा को अनेकों अभिनेताओं, नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स और देश-विदेश की बड़ी-बड़ी हस्तियों में पोस्टर रिलीज पर हार्दिक बधाई दी और उनके गाने को हिट होने का आशीर्वाद दिया।

डॉ. अनिल नायर द्वारा एफएमबीएएफ अवार्ड्स 2023 सीजन 6 का भव्य आयोजन प्रेम चोपड़ा, दीपशिखा नागपाल, सुदेश बेरी, अलका भटनागर को पुरस्कार मिला

सबसे लोकप्रिय पुरस्कार समारोह एफएमबीएएफ अवाड्र्स २०२३ सीज़न ६ का आयोजन २७ मई, २०२३ को इस्कॉन, जुहू, मुंबई में भव्य रूप से किया गया। निर्देशक डॉ. अनिल नायर द्वारा आयोजित इस अनूठे कॉन्सेप्ट अवार्ड शो में दिग्गज अभिनेता प्रेम चोपड़ा, अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, अभिनेता सुदेश बेरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे. पुरस्कार समारोह में मनोरंजन जगत के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल करने वाले और पुरस्कार विजेता उपस्थित थे। विजेता पुरस्कार प्राप्त करने के बाद अभिभूत थे और उन्होंने डॉ अनिल नायर और उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

एफएमबीएएफ के गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियों सहित कई अन्य महत्वपूर्ण हस्तियों ने शिरकत की।समाज में समाज सेवा और शांति का संदेश फैलाने के लिए डॉ अनिल नायर वार्षिक विश्व मानवाधिकार दिवस (संयुक्त राष्ट्र) पुरस्कार का आयोजन भी करते रहे हैं। इस कार्यक्रम में फिल्म, फैशन, अकादमी, व्यवसाय और मीडिया जैसी विभिन्न श्रेणियों में लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए डॉ. अनिल नायर ने कहा कि यह हमारा छठा संस्करण है। अब तक हम विभिन्न क्षेत्रों की ३००० से अधिक हस्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित कर चुके हैं। सामाजिक सरोकारों के लिए काम करने वाले कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।

हम वर्षों से मानवाधिकारों के लिए काम कर रहे हैं। देश के २० राज्यों के साथ-साथ विदेशों में भी लोग इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हमारे पास एक जीनियस अवार्ड शो भी है जहाँ प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाता है।” डॉ अनिल नायर भारत में कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के राजदूत हैं। वे वर्षों से मानव सेवा, शांति और समाज सुधार के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पिछले 5 सालों में उदित नारायण समेत कई सेलेब्रिटीज को अवॉर्ड दिए हैं। हमने यह सफर २०१८ से शुरू किया था। इस पुरस्कार समारोह में डॉ. वैभव शर्मा जो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर बॉलीवुड एंकर हैं उन्होंने पूरे शो मे अपनी एंकरिंग और उर्दू शायरी से चार चांद लगा दिया और सभी सेलेब्रिटीज लेजेंड्री एक्टर प्रेम चोपड़ा, लेजेंडरी एक्टर सुदेश बेरी, लेजेंड्री म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार साहब और एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल सभी अवॉर्ड पाने के बाद बहुत खुश दिखे और जुहू इस्कॉन टेंपल में २७ मई को एक इतिहास रच गया जिस्मे चेयरमैन डॉ. अनिल नायर और इंटरनेशनल सेलिब्रिटी एंकर डॉ. वैभव शर्मा ने मिलकर एक इंटरनेशनल अवॉर्ड सेरेमनी को बड़ी ही खूबसूरती से अंजाम दिया। पुरस्कार विजेता की लिस्ट यह है सुश्री जया हेमराज ठाकुर, सुश्री कमल चीमा, सुश्री लेस्ली त्रिपाठी (शो की एंकर), डॉ. पी.बी. बॉस (संस्थापक ओसाका समूह), सुश्री नताशा नट्टी, श्रीमती त्रिशा मंडल, श्री तुषार कुमार (प्रसिद्ध अभिनेता), श्रीमती अलका भटनागर (अंतरराष्ट्रीय बॉलीवुड गायिका), श्री. रॉय मैथ्यू मनापल्लील (फिल्म निर्माता), श्री. संतोष कामेश्वर (संगीतकार और निर्देशक), डॉ. अर्चना कोचर (सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर), डॉ. रूपांशी सिंह (त्वचा विशेषज्ञ) श्री. प्रदीप कामथ (अंतर्राष्ट्रीय जादूगर), डॉ. बिनु वर्गीस, श्री रमाकांत मुंडे (मीडिया फोटोग्राफर), श्री सुरेश हीवराले, सैयद मोइन सैयद वज़ीर, श्री अज़मत खान जब्बार खान, शेख यहिया शेख इस्हाक (मुख्य संपादक माझा महाराष्ट्र लाइव), श्री. नासिर तगाले, श्री शिवा एसएस (सेलिब्रिटी फोटोग्राफर), श्री श्रीनिवास सिरिमल्ले, श्री. अब्दुल कलाम शाहमनी, श्री. सलीम ताज (मीडिया)। विशाल बालासाहेब राजनिंबलकर (अॅडव्होकेट और सामाजिक कार्यकर्ता ठाणे मुंबई) डॉक्टरेट पुरस्कार विजेता की सूची; डॉ. बिस्सी बॉस, डॉ. कमरूज़मां अबू, डॉ. प्रेम चोपड़ा को विशिष्ट श्रेणियों में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। मुंडे मीडिया ने इस अवॉर्ड समारोह की पीआर की जिम्मेदारी बखूबी निभाई.

राज्याभिषेक दिवस पर सीएम एकनाथ शिंदे ने किया 3 बड़े एलान!

शिवाजी महाराज से जुड़ी शिवसृष्टि प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़

शिंदे गुट की शिवेसना के विधायक भरत गोगावले की काफी वक्त से पाचाड नाम के इलाके में 45 एकड़ की जगह में शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर आधारित ‘शिवसृष्टि’ प्रोजेक्ट के लिए निधि की मांग थी। उनकी यह मांग आज मान ली गई और इस प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए के फंड की मंजूरी दी गई। इसका ऐलान करते हुए सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि आगे और फंड की जरूरत हुई तो वो भी जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की भवानी तलवार और बघनखे को भी वापस लाने की पूरी कोशिश की जाएगी।

मुंबई।
शिवाजी महाराज के 350 वें राज्याभिषेक दिवस के अवसर पर रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने लोगों को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। शुक्रवार को रायगढ़ किले पर कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने तीन बड़े ऐलान किए। उन्होंने मुंबई कोस्टल रोड का नामकरण छत्रपति संभाजी राजे के नाम पर किए जाने का ऐलान किया। इसके अलावा प्रतापगढ़ प्राधिकरण की वर्षों पुरानी मांग को मंजूरी दी और शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए की निधि देने का ऐलान भी किया।

मुंबई की फ्यूचर लाइफलाइन समझे जाने वाले कोस्टल रोड प्रोजेक्ट का नाम धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज रोड किए जाने को लेकर कुछ दिनों पहले छत्रपति संभाजीराजे की जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जानकारी दी थी। जिसका शुक्रवार यानि 2 जून को ऐलान कर दिया। मुंबई में बढ़ती ट्रैफिक की समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद अहम माना जा रहा है।

शिवाजी महाराज ने गुलामी से बाहर निकाला- पीएम नरेंद्र मोदी रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन पीएम नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने लोगों को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अलावा उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिवाजी महाराज के वंशज सांसद उदयन राजे भोसले, एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे, मंत्री दीपक केसरकर, मंत्री उदय सामंत समेत हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे।

अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को 22 को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने शुक्रवार को इसका एलान किया। यह दूसरी बार होगा जब पीएम मोदी अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। अमेरिकी कांग्रेस नेताओं ने इस संबंध में एक बयान भी जारी किया है। अमेरिकी कांग्रेस नेताओं ने एक बयान में कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और यूनाइटेड स्टेट्स सीनेट के द्विदलीय नेतृत्व की ओर से, आपको (प्रधानमंत्री मोदी) बृहस्पतिवार, 22 जून को कांग्रेस की एक संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करना हमारे लिए सम्मान की बात है। इन्होंने कहा कि हमारे साझा मूल्यों और वैश्विक शांति तथा समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर हमारे दोनों देशों के बीच साझेदारी लगातार बढ़ रही है। संबोधन के दौरान, आपके पास भारत के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने और हमारे दोनों देशों की ओर से सामना की जाने वाली वैश्विक चुनौतियों पर बात करने का अवसर होगा। बयान में कहा गया है कि यह संबोधन संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच स्थायी मित्रता का जश्न का अवसर होगा। बयान पर हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी, सीनेट मेजोरिटी लीडर चक शूमर, सीनेट रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल और हाउस डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीस के हस्ताक्षर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 22 जून को अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करेंगे। साथ ही वह पीएम मोदी के सम्मान में रात्रिभोज भी देंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने जून 2016 में अमेरिकी संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला विश्व के कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें दो अवसरों पर इस दुर्लभ सम्मान से सम्मानित किया गया है। सात साल पहले अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले मोदी पांचवें भारतीय प्रधानमंत्री थे। मोदी के अलावा मनमोहन सिंह (19 जुलाई 2005), अटल बिहारी वाजपेयी (14 सितंबर 2000), पीवी नरसिम्हा राव (18 मई 1994) और राजीव गांधी (13 जुलाई 1985) संयुक्त सत्र को संबोधित कर चुके हैं।

SPORTS खेल जगत

भारत परिणाम की परवाह किए बिना खेलें फाइनल : हेडन

पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि पिछले एक दशक में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) स्पर्धाओं में भारत के खिताबी सूखे का कारण खिलाड़ियों की मानसिकता है क्योंकि उनके लिए कौशल कभी मुद्दा नहीं रहा है। इस महान खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे मैच के परिणाम को सोचे बिना मैदान पर उतरें। भारतीय टीम ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैम्पियंस ट्रॉफी में जीता था। टीम इसके बाद नॉकआउट मैचों के दबाव को झेलने में विफल रही। भारत को 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। टीम 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड और फिर पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की चुनौती से पार पाने में विफल रही। दो साल पहले डब्ल्यूटीसी के शुरुआती

●खिताबी सूखे का कारण- खिलाड़ियों के लिए कौशल कभी मुद्दा नहीं रहा है

फाइनल में उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। हेडन ने कहा, इस मामले में निश्चित रूप से आप उनके कौशल पर सवाल नहीं उठा सकते। यह सिर्फ अवसर और मानसिकता का सवाल होना चाहिए। मेरा मतलब है भारत में क्रिकेट जीवन का हिस्सा है, यह खेलों का डीएनए है और लोकप्रियता के मामले में कोई इसके आस-पास नहीं है। भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता बेजोड़ है और इसी वजह से खिलाड़ियों पर चारों ओर अधिक दबाव बनता है।ऑस्ट्रेलिया में मैं अपनी इस दाढ़ी और टोपी के साथ सड़क पर आराम से चल सकता हूं। वहां मुझे ज्यादा लोग नहीं पहचानेंगे क्योंकि वहां लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट को कई अन्य खेलों से चुनौती मिलती है। हमारे यहां रग्बी, फुटबॉल, वाटर स्पोर्ट्स, सर्फिंग और बहुत सारे आउटडोर खेल है। भारत में क्रिकेट के आस-पास कोई नहीं है इसलिए

खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव होता है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों को मैं यही सलाह देना चाहूंगा कि मैच के परिणाम को सोचे बिना अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दें। इस पूर्व आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि अगर यह मुकाबला लॉर्ड्स मैदान पर होता तो ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी होता लेकिन ओवल मैदान पर दोनों टीमों के पास बराबर मौका होगा। टेस्ट चैम्पियनशिप के आयोजन से टेस्ट क्रिकेट का महत्व बढ़ा है। आपके पास फाइनल में दो महान टीमें है। ओवल का मैदान ऐसा नहीं है जो किसी टीम विशेष के लिए अधिक मददगार हो। यह इंग्लैंड की सबसे उछालभरी और सपाट सतह है। यह स्पिनरों और वास्तव में तेज गेंदबाजों के लिए भी ज्यादा मददगार नहीं है। यह तटस्थ स्थल की तरह है। यह अगर लॉर्ड्स में होता, तो ऑस्ट्रेलिया को वहां काफी फायदा होता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल में फायदा होगा। चेतेश्वर पुजारा को छोड़कर भारत के सभी खिलाड़ी दो महीने तक चले आईपीएल का हिस्सा थे जबकि डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए चुनी गई ऑस्ट्रेलियाई टीम के चुनिंदा खिलाड़ियों ने आईपीएल में भाग लिया था। हमें दोनों देशों की तैयारियों को लेकर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि काउंटी क्रिकेट खेलने के बजाय आईपीएल क्रिकेट खेलने से कोई समस्या है। आईपीएल का स्तर भी ऊंचा है। उदाहरण के लिए कैमरून ग्रीन जैसे खिलाड़ी का मुंबई इंडियंस के लिए प्रदर्शन शानदार रहा है। हेडन ने पंत की गैरमौजूदगी को बड़ा झटका करार देते हुए कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो विकेटकीपिंग के लिए कोना भरत की जगह इशान किशन को तरजीह देते।

पुजारा व कोहली को जल्द आउट करना होगा : पोंटिंग

लंदन। पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भारत से निपटना है तो चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली को जल्दी आउट करना होगा। भारत के टेस्ट बल्लेबाज पुजारा इंग्लैंड काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स की ओर से लंबे समय तक खेलने के कारण टीम के साथियों को बहुमूल्य सुझाव दे सकते है जबकि कोहली हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए दो शतक और छह अर्धशतक लगाकर शानदार फॉर्म में है। पोंटिंग ने द आईसीसी रिव्यू में कहा, इसमें कोई शक नहीं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विराट के बारे में बात करेगी और वे पुजारा के बारे में बात करेंगे। पुजारा को ऑस्ट्रेलियाई

गेंदबाजों की चुनौतियों का आनंद लेने के लिए जाना जाता है जिन्होंने किसी भी अन्य टीम की तुलना में उनके खिलाफ अधिक टेस्ट रन और शतक बनाए है और उनका प्रदर्शन भारत के दूसरे प्रयास में डब्ल्यूटीसी ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा। पुजारा ने अतीत में ऑस्ट्रेलिया को काफी परेशान किया है और यह विराट संभावित रूप से ऑस्ट्रेलियाई पिच की तरह होगा। वे जानते है कि उन्हें उसे जल्दी आउट करना होगा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट में पांच शतक की मदद से 2,033 रन बनाए है और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद होगी कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम के लिए कुछ और महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कोहली ने आईपीएल में अपनी जबर्दस्त फॉर्म के अलावा मार्च में बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 186 रन की पारी खेली थी और वह पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम के खिलाफ खेलने के लिए बेताब होंगे। वे यह भी जानते है कि पिछले कुछ हफ्तों में विराट शायद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है, हालांकि टी20 क्रिकेट में।

धोनी के घुटने का मुंबई में सफल आपरेशन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बाएं घुटने का बृहस्पतिवार को मुंबई के एक अस्पताल में सफल आपरेशन हुआ जिससे उनके अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने की संभावना प्रबल हो गई है। चेन्नई सुपर किंग्स को पांचवां आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी सोमवार को फाइनल के बाद अहमदाबाद से सीधे मुंबई पहुंचे थे। उन्होंने मशहूर खेल आर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर दिनशॉ पर्दीवाला से सलाह ली जो बीसीसीआई की मेडिकल पैनल में भी है। वह ऋषभ पंत समेत कई भारतीय क्रिकेटरों की सर्जरी कर चुके है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथ ने पीटीआई को बताया , धोनी के घुटने का कोकिलाबेन अस्पताल में सफल आपरेशन हो गया है। यह दीर्घकालिक है और आपरेशन सुबह ही हुआ है। मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। अभी मुझे इसका ब्यौरा मिलना बाकी है। इससे पहले सीएसके प्रबंधन के एक करीबी सूत्र ने बताया , एक या दो दिन में उन्हें छुट्टी मिल जाएगी। वह कुछ दिन आराम करेंगे जिसके बाद उनका रिहैबिलिटेशन शुरू होगा। उम्मीद है कि अगले आईपीएल से पहले उनके पास फिट होने का पूरा समय रहेगा। धोनी ने पूरे सत्र में बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर खेला। विकेटकीपिंग करते समय वह ठीक नजर आए लेकिन बल्लेबाजी के लिए अनुमान आदर्श नंबर पर उतरे और विकेट के बीच दौड़ में लय में नहीं दिखे। आईपीएल फाइनल के बाद धोनी ने कहा था , अगर परिस्थितियों को देखे तो मेरे लिए संन्यास लेने का यह सर्वश्रेष्ठ समय है। मेरे लिए यह कहना बहुत आसान है कि अब मैं विदा ले रहा हूं लेकिन अगले नौ महीने तक कड़ी मेहनत करके लौटना और एक सत्र और खेलना कठिन है। शरीर साथ देता है तो मैं खेलूंगा। चेन्नई के प्रशंसकों ने जिस तरह से मुझे प्यार दिया, यह उनके लिए मेरा तोहफा होगा कि मैं एक सत्र और खेलूं। उन्होंने जो प्यार और जज्बात दिखाए है, मुझे भी उनके लिए कुछ करना चाहिए।

इंग्लैंड के लिए कई स्वार्थी खिलाड़ी खेलते थे: हार्मिसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने सचेत किया है कि टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरूआत में टीम भावना में योगदान नही दिया लेकिन 2005 की एशेज श्रृंखला के दौरान सब कुछ बदल गया जिसे टीम ने 2-। से जीता। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा था कि उन्होंने 2005 की एशेज के दौरान इंग्लैंड की टीम मे एक बड़ा बदलाव देखा था जिसके जवाब मे उस टीम के सदस्य रहे हार्मिसन ने कहा, उस टीम और 2003, 2001, 1999 तथा 1997 के बीच का अंतर यह था कि 2005 मे हम एक टीम थे। गिलेस्पी ने कहा था कि उन्होंने दोनो टीमो के बीच इससे पहले की श्रृंखलाओ मे इंग्लैड की टीम मे ऐसा भाईचारा कभी नही देखा था।

भारत में मोटो जीपी का सबसे सस्ता टिकट 800 रूपए का

नई दिल्ली। भारत मे होने वाली पहली मोटो जीपी रेस का सबसे सस्ता टिकट 800 रुपए का होगा जबकि सबसे महंगा टिकट डेढ लाख रुपए का रहेगा। प्रीमियर दुपहिया रेस प्रतियोगिता के भारतीय प्रमोटर फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स ने 22 से 24 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होने वाली रेस के टिकटों की बिक्री जल्दी शुरू करने का ऐलान किया। एक सूत्र ने बताया , प्रशंसकों को एक दिन का या पूरे सप्ताहांत का टिकट खरीदने का विकल्प मिलेगा। सबसे सस्ता टिकट 800 रुपए का और सबसे महंगा डेढ लाख रुपए का होगा। कुल छह श्रेणी के टिकट होगे।

सर्फिंग: किशोर, सेलवामनी ने शुरुआती दिन प्रभावित किया

मेंगलुरु। पंद्रह साल के किशोर कुमार ने गुरुवार को यहां इंडियन ओपन सर्फिंग के शुरुआती दिन मुश्किल परिस्थितियो मे पुरुष ग्रोम्स (अंडर -16) वर्ग के सेमीफाइनल मे जगह बनाई। बारिश और हवा के कारण मुश्किल हालात मे यहां के शशिथलू समुद्र तट पर प्रतियोगिता मे वह 12.67 अंक के साथ शीर्ष पर रहे। पुरुषो के ओपन वर्ग मे दिनेश सेलवामनी 09.53 अंक के साथ शीर्ष के साथ क्वार्टर फाइनल की दौड़ मे बने हुए है। तेज हवा और बारिश के कारण महिला ओपन सेमीफाइनल का खेल शुरू नही हो सका।

मंजीत ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरिज कुश्ती में कांस्य जीता

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारतीय पहलवान मंजीत ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) रैंकिंग सीरिज प्रतियोगिता मे गुरुवार को यहां पुरुषो के ग्रीको रोमन 55 किग्रा भार वर्ग मे कांस्य पदक जीता। मनजीत क्वार्टर फाइनल मे उज्बेकिस्तान के इख्तियार बोटिरोव से 13-4 से हार गए। बोटिरोव के फाइनल मे पहुंचने के बाद से मंजीत को दो कांस्य पदकों मे से एक के लिए लड़ने का मौका मिला। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कजाकिस्तान के यरसिन अबीयर को 14-9 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण कजाखस्तान के मरलान मुकाशेव ने बोटिरोव को हराकर जीता। सुमित (60 किग्रा) रेपेशॉज दौर मे पहुंचने मे सफल रहे जहां उन्हे किर्गिस्तान के बालबाई डोरडोकोव ने हराया। वह इससे पहले क्वार्टर फाइनल मे कजाकिस्तान के नूरसुल्तान बाजबाएव से हार गए थे।

पाक को रौंदकर भारत का जूनियर एशिया कप पर कब्जा

●2-। से जीता मैच, चौथी बार खिताब जीता

भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम ने बृहस्पतिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-। से हराकर चौथी बार जूनियर एशिया कप खिताब जीत लिया। आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट को देखने के लिए भारी तादाद में भारत और पाकिस्तान के प्रशंसक जुटे थे। आखिरी क्षणों में पाकिस्तान ने काफी आक्रामक हॉकी दिखाई लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस की अगुवाई में रक्षापंक्ति ने उनके हर वार को नाकाम कर दिया। भारत के लिए अंगद बीर सिंह ने 12वें मिनट में, अराइजीत सिंह हुंडल ने 19वें मिनट में गोल दागे जबकि भारत के पूर्व मुख्य कोच रोलैंट ओल्टमेंस की कोचिंग वाली पाकिस्तानी टीम के लिए एकमात्र गोल 37वें मिनट में बशारत अली ने किया। भारत ने 2004, 2005 और

2015 के बाद यह खिताब चौथी बार जीता है जबकि पाकिस्तान 1987, 1992 और 1996 में चैम्पियन रह चुका है। दोनों टीमें इससे पहले तीन बार जूनियर पुरूष हॉकी एशिया कप के फाइनल में भिड़ चुकी हैं। पाकिस्तान ने 1996 में जीत दर्ज की जबकि 2004 में भारत विजई रहा। भारत ने पिछली बार मलेशिया में खेले गए टूर्नामेंट में पाकिस्तान को 6 . 2 से हराकर खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट आठ साल बाद हो रहा है। कोरोना महामारी के कारण 2021 में इसका आयोजन नहीं हुआ था। भारत ने आक्रामक शुरूआत करके पाकिस्तानी गोल पर पहले ही क्वार्टर में कई हमले बोले। भारत को 12वें मिनट में पहली कामयाबी अंगद बीर ने दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी गेंद पर नियंत्रण के मामले में भारत का ही दबदबा रहा। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति के शानदार मूव को अराइजीत ने फिनिशिंग देते हुए 19वें मिनट में दूसरा फील्ड गोल दागा। टूर्नामेंट में यह उनका आठवां गोल था। हाफटाइम से पहले पाकिस्तान के शाहिद अब्दुल ने सुनहरा मौका बनाया लेकिन गोल के सामने से उनके शॉट को भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस ने पूरी मुस्तैदी से बचाया। दूसरे हाफ में पाकिस्तानी टीम ने आक्रामक वापसी की और इसका फायदा उसे तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में मिला जब शाहिद अब्दुल ने सर्कल के भीतर से भारतीय डिफेंडरों को छकाते हुए गोल के दाहिनी ओर खड़े बशारत को गेंद सौंपी और उन्होंने भारतीय गोलकीपर को चकमा देकर गोल कर दिया। पाकिस्तान को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टीम बराबरी का गोल नहीं कर सकी। वहीं चार मिनट बाद लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। भारत और पाकिस्तान दोनों टूर्नामेंट में अपराजेय रहे हैं। दोनों का सामना लीग चरण में भी हुआ था लेकिन वह मैच। .। से ड्रॉ रहा था। भारत बेहतर गोल औसत के आधार पर लीग चरण में शीर्ष पर रहा। गत चैम्पियन भारत ने पहले मैच में चीनी ताइपै को 18 . 0 से हराया जबकि जापान को 3 .। और थाईलैंड को 17 . 0 से मात दी। सेमीफाइनल में भारत ने कोरिया को 9 .। से हराया। वहीं पाकिस्तान ने लीग चरण में चीनी ताइपै को 15 .।, थाईलैंड को 9 . 0, जापान को 3 . 2 से और सेमीफाइनल में मलेशिया को 6 . 2 से हराया था।

विजेता टीम को नकद पुरस्कार देगी हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने ओमान के सालालाह में जूनियर एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को 2-। से हराने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को क्रमशः दो और एक लाख रुपए नकद पुरस्कार देगी। हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड ने फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद इसकी घोषणा की। हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा , भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप में अपराजेय रहकर हम सभी को गौरवान्वित किया है।

आईपीएल के दौरान ड्यूक गेंद से अभ्यास की आदत : अक्षर

पोर्ट्समाउथ। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल का मानना है कि टी20 प्रारूप मे खेलकर सबसे लंबे प्रारूप मे अनुरूप ढलना मुश्किल है लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान लाल गेंद से अभ्यास करने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मे सामंजस्य बैठाने मे मदद मिलेगी। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी दो महीने से अधिक समय तक आईपीएल मे टी20 क्रिकेट खेलने के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल मे उतरेंगे। इसके अलावा भारत मे जहां टेस्ट क्रिकेट मे एसजी गेंदो का उपयोग होता है तो वही डब्ल्यूटीसी फाइनल मे ड्यूक गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। भारत हालांकि दोहरी चुनौतियो के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इंग्लैड मे इस्तेमाल होने वाली ड्यूक गेंदो से सामंजस्य बैठाने पर भारतीय टीम ने काम किया है। अक्षर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, हम इसके बारे मे आईपीएल शुरू होने से पहले ही जानते थे इसलिए आईपीएल के दौरान भी चर्चा होती थी कि हम लाल गेंद से गेंदबाजी करेंगे। हमारे पास लाल गेंदे थी इसलिए हम उनका इस्तेमाल कर रहे थे। आप जानते है कि कब और कैसे खेलना है, आपके पास कितना समय है। सफेद गेंद से लाल गेंद की ओर मानसिक रूप से बदलाव करना स्पष्ट रूप से कठिन है लेकिन हमारे पास पर्याप्त समय है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने हालांकि कहा कि गेंद की परवाह किए बगैर महत्वपूर्ण यह है कि सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी पर ध्यान दिया जाए। हम सफेद गेंद से लाल गेंद मे बदलाव कर रहे है। यह एसजी से ड्यूक गेंद मे बदलाव करने के समान ही है। आपको अपनी प्रतिभा और कौशल का उपयोग करना होगा। आपको अपनी योजना को लागू करना होता है और गेंदबाजी लय हासिल करनी होती है। गेंद चाहे कोई भी हो, अगर आप सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते है तो यह काम करता है। हम यही कर रहे है। मैच इंग्लैड मे है, जहां के हालात भारत से अलग है, तो हम योजना बना रहे है कि यहां कौन सी लाइन और लेंथ काम करेगी भारतीय खिलाड़ियो का पहला दल पिछले हफ्ते की शुरुआत मे लंदन पहुंचा था जिसमे विराट कोहली और अक्षर जैसे खिलाड़ी शामिल थे। टीम फाइनल की तैयारी कर रही जो सात से 11 जून तक द ओवल में होगा।, जो लोग (आईपीएल प्ले ऑफ के लिए) क्वालीफाई नही कर पाए उन्हे अधिक समय मिला।

रिबाकिना तीसरे दौर में, कीज का अभियान खत्म

●फ्रेंच ओपन

चौथी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को लिंडा नोसकोवा को आसानी से शिकस्त देकर अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। विंबलडन चैम्पियन खिलाड़ी ने महिला एकल में चेक गणराज्य की 18 साल की खिलाड़ी को 6-3, 6-3 से हराया। कजाखस्तान की चौथी वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी के सामने तीसरे दौर में स्पेन की सारा सोर्बिस की चुनौती होगी। अमेरिका की 20 वीं रैंकिंग की खिलाड़ी मेडिसन कीज के अभियान को हमवतन कायला डे ने खत्म किया। विश्व रैंकिंग में 138वें स्थान पर काबिज 23 साल की डे ने कीज को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर को अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने 6-3, 7-6, 6-3 से हराया।

सबालेंका यूक्रेन युद्ध से जुड़े सवालों से बचीं

पेरिस। फ्रेंच ओपन मे दूसरी वरीयता प्राप्त बेलारूस की टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने बुधवार को मैच जीतने के बाद यूक्रेन पर रूस के हमले से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। रविवार को पहले दौर में जीत दर्ज करने के बाद सबालेंका ने कहा था कि रूस या बेलारूस का कोई भी खिलाड़ी युद्ध का समर्थन नही करता है। उन्हे हालांकि बुधवार को रूस के हमले का समर्थन करने मे बेलारूस की भूमिका की व्यक्तिगत रूप से निंदा करने के लिए कहा गया था।

क्लाई की चोट के कारण हटे मोनफिल्स

पेरिस। पहले दौर के मुकाबले मे पांच सेट मे मिली जीत का असर गेल मोनफिल्स पर पड़ा है और वह बाईं क्लाई मे चोट के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मोनफिल्स के हटने से छठे नंबर के खिलाड़ी होल्गर रूने ने तीसरे दौर मे प्रवेश किया। फ्रांस के 36 साल के मोनफिल्स ने बताया कि उनकी बाईं क्लाई मे चोट है और वह टूर्नामेंट मे आगे नही खेल सकते। मोनफिल्स ने बुधवार को पहले दौर मे अर्जेन्टीना के सबेस्टियन बेइज को लगभग चार घंटे चले मुकाबले मे 3-6, 6-3, 7-5, ।-6, 7-5 से हराया था। एड़ी की सर्जरी के बाद वापसी कर रहे मोनफिल्स की टूर स्तर पर यह पहली जीत थी। मोनफिल्स ने कहा, असल मे शारीरिक तौर पर मै काफी बेहतर हूं। लेकिन मेरी क्लाई मे समस्या है। डॉक्टर का कहना है कि इस तरह की चोट के साथ खेलना अच्छा नही है। कल काफी जोखिम था और फिर आज मुझे निश्चित तौर पर रुकना पड़ा।

किरण व लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

●थाईलैंड ओपन : अश्मिता हारी

भारत के लक्ष्य सेन ने चीन के लि शि फेंग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सेन ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी प्रतिद्वंद्वी को 49 मिनट तक चले मैच में 21-17, 21-15 से हराया। अब उनका सामना मलेशिया के क्वालीफायर लियोंग जुन हाओ से होगा। भारत के ही किरण जॉर्ज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी वेंग होंग एंग को सीधे गेम में हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। दुनिया के 59वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाले चीन के खिलाड़ी को प्री

क्वार्टर फाइनल में 39 मिनट में 21-11, 21-19 से हराया। किरण पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। ओडिशा ओपन 2022 के विजेता किरण शुक्रवार को अंतिम आठ के मुकाबले में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस और फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। महिला एकल में साइना नेहवाल को तीसरी वरीयता प्राप्त दुनिया की पांचवें नंबरक की खिलाड़ी चीन की ही बिंग जाओ ने 21 . 11, 21 . 14 से मात दी। अश्मिता चालिहा को पूर्व ओलंपिक और तीन बार की विश्व चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ 18-21 13-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागास मौलाना ने 24-26, 21-11, 21-17 से हराया।

मुद्दे को संवेदनशीलता के साथ निपट रहा है केंद्र

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से केंद्र सरकार संवेदनशील तरीके से निपट रही है। ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने जांच के लिए समिति के गठन की पहलवानों की मांग स्वीकार कर ली है और जांच चल रही है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट सहित ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की मां के साथ नई दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पहलवानों ने हाल में अपने पदक गंगा में बहाने की धमकी

दी थी। सरकार प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से संवेदनशीलता के साथ निपट रही है। पहलवानों ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी जो दिल्ली पुलिस ने किया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने प्रशासकों की समिति का गठन किया है क्योंकि उन्होंने मांग की थी कि पदाधिकारियों को संचालन करने की स्वीकृति नहीं दी जाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहलवानों को मजिस्ट्रेट अदालत में जाने को कहा है।बुधवार को ठाकुर ने विरोध करने वाले पहलवानों को ऐसा कोई कदम नहीं उठाने के लिए कहा जो खेल या खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचाए। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच पूरी होने के बाद उचित कार्वाई की जाएगी। उन्होंने पहलवानों से धैर्य रखने और शीर्ष अदालत में विश्वास रखने का भी आग्रह किया था।

बार-बार अपनी मांगें बदल रहे हैं प्रदर्शनकारी पहलवान: ब्रजभूषण

गोंडा (उप्र)। महिला पहलवानो के यौन उत्पीड़न के आरोपो का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला पहलवान बार बार अपनी मांगे बदल रही है जबकि दिल्ली पुलिस इन आरोपो की जांच कर ही रही है। पुलिस अभी जांच कर रही है। इसे पूरा हो जाने दे। जो बात निकलकर सामने आएगी, उसके अनुरूप बात की जाएगी। एक प्रश्न के उत्तर मे उन्होंने कहा , मेरे बारे मे कौन, क्या कह रहा है, इससे हमारा कोई लेना देना नही है और न ही इस पर प्रतिक्रिया देकर हमारा कुछ भला होने वाला है। न्यायालय द्वारा दिखाया जाने वाला रास्ता हमे स्वीकार्य होगा। कैसरगंज से भाजपा सांसद ने कहा, दिल्ली पुलिस की जांच मे यदि महिला पहलवानो द्वारा लगाया गया एक भी आरोप साबित हो जाता है तो मै फांसी पर लटक जाऊंगा। मै पूर्व मे अपने द्वारा कही गई बात पर कायम हूं। 18 जनवरी 2023 को जंतर मंतर पर पहली बार धरने पर बैठने वाले पहलवानो की मांग कुछ और थी। बाद मे कुछ और हो गई।

पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला पुरुष हॉकी चैंपियन

●खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स

●तीरंदाजी में पांच और तलवारबाजी में दो स्वर्ण पदक पर दांव

लखनऊ। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला ने आज खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स उत्तर प्रदेश के अंतर्गत पुरुष हॉकी का खिताब शूटआउट तक चले रोमांचक मुकाबले में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर को 3-2 से हराकर जीता। इस मैच में निर्धारित समय में दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थी। जीत में पंजाबी यूनिवर्सिटी के कप्तान अनिल मलिक हीरो बनकर उभरे और इस जीत से विजेता टीम ने पिछली हार का बदला भी ले लिया। तीरंदाजी में आज कुल पांच पदकों का फैसला हुआ जिसमें गुरु काशी यूनिवर्सिटी की टीम ने पुरुष कंपाउंड मिक्स टीम इवेंट का गोल्ड अपनी झोली में डाला। वहीं कंपाउंड टीम इवेंट में पुरुष व महिला दोनो वर्ग के गोल्ड पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला ने जीते। इसके अलावा महिला कंपाउंड व्यक्तिगत में गुरू काशी यूनिवर्सिटी की प्रगति और और पुरुष कंपाउंड में यूनिवर्सिटी ऑफदिल्ली के ऋषभ यादव चैंपियन बने।तलवारबाजी में पुरुष ईपी में उस्मानिया यूनिवर्सिटी के लोकेश वेमानी और महिला फॉयल में जैन यूनिवर्सिटी की मारिया अक्षिता ने स्वर्ण जीते। इसी के साथ बैडमिंटन में महिला वर्ग के फइनल में जैन यूनिवर्सिटी बनाम यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली और पुरुष वर्ग के फइनल में सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी बनाम महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के बीच मुकाबला होगा। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला शूटआउट में 3-2 से विजयीए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर से पिछली हार का हिसाब किया बराबर । गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में खेले गए फइनल मुकाबले में पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला ने 3-0 से पिछड़ने के बाद न केवल वापसी की।

महिला बैडमिंटन सेमीफाइनल : जैन यूनिवर्सिटी ने सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी को 2-0 से और यूनिवर्सिटी ऑफदिल्ली ने एडमस यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया

पुरुष बैडमिंटन सेमीफाइनल: सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने जैन यूनिवर्सिटी को 3-0 से और महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी ने एसआरएम यूनिवर्सिटी को 3-2 से हराया।

तीरंदाजी: पुरुष कंपाउंड मिक्स टीम इवेंट-स्वर्ण- गुरु काशी यूनिवर्सिटी, रजत गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, कांस्य ,यूनिवर्सिटी ऑफदिल्ली,पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत,स्वर्ण- ऋषभ यादव यूनिवर्सिटी ऑफदिल्ली, रजत- अमन सैनी;पंजाबी यूनिवर्सिटी,, कांस्य - ऋतिक शर्मा ;गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, **महिला कंपाउंड व्यक्तिगत**,स्वर्ण - प्रगति ;गुरु काशी यूनिवर्सिटी, रजत - मुस्कान कौर रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी, कांस्य - अक्षिता पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, महिला कंपाउंड टीम इवेंट- स्वर्ण रू पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, रजत- संत गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी कांस्य- रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी,पुरुष कंपाउंड टीम इवेंट-स्वर्ण - स्वर्ण पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, रजत, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसरए कांस्य रू पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला

सेविला ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

बुडापेस्ट। विश्व कप फाइनल मे अर्जेन्टीना की ओर से निर्णायक पेनल्टी को गोल मे बदलने के बाद गोंजालो मोंटिएल ने बुधवार को यहां एक बार फिर पेनल्टी पर गोल दागकर सेविला को यूरोपा लीग फुटबॉल फाइनल मे रोमा पर जीत दिलाई। सेविला का यह सातवां यूरोपा लीग खिताब है। बुडापेस्ट मे अतिरिक्त समय के बाद भी मुकाबला।-। से ड्रॉ रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट मे सेविला ने 4-। से जीत दर्ज की।

अंडर-20 विश्व कप में, अर्जेन्टीना और इंग्लैंड बाहर

ब्यूनस आयर्स (अर्जेन्टीना)। इटली, नाइजीरिया, कोलंबिया और ब्राजील ने बुधवार को यहां अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप के क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई।मेजबान अर्जेन्टीना को सेन जुआन मे बुधवार को लगभग 30 हजार दर्शको के सामने नाइजीरिया के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जिससे टूर्नामेंट मे टीम का अभियान थम गया।इटली ने पेनल्टी किक पर अंतिम लम्हो मे दागे गोल की मदद से इंग्लैंड को 2-। से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। दूसरे हाफ मे पूरे समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद ब्राजील ने ट्यूनीशिया को 4-। से हराकर क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई।

लीक हो गई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की स्टोरी

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। बीते दिनों जब निर्माता करण जौहर का जन्मदिन था, तब उन्होंने इस खास मौके पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला लुक साझा किया था। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का अवतार बहुत प्यारा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री का इंतजार है। वहीं खबर आ रही है कि इस फिल्म की कहानी लीक हो गई है। दरअसल किसी ने कथित तौर पर रेडिट पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का प्लॉट लीक कर दिया है। इस यूजर ने फिल्म की पूरी कहानी बताई है। लिखा है कि फिल्म में दिल्ली का बैकग्राउंड है। रणवीर सिंह एक ऐसे लड़के की भूमिका निभा रहे हैं जिसे फिजूलखर्ची पसंद है। वहीं दूसरी तरफ, आलिया भट्ट ईमानदार ऑडिटर्स के परिवार की एक बंगाली लड़की हैं। हालांकि इससे यह पता तो नहीं चलता कि फिल्म की कहानी क्या है, लेकिन फिर भी यूजर्स इसे पढ़ने के बाद काफी ज्यादा एक्साइडेट हो रहे हैं।

सिर्फ इतना ही नहीं इस पोस्ट पर भी जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। कोई इसे तू झूठी मैं मक्कार की कहानी बता रहा है तो वहीं कोई कह रहा है कि कैसे इतनी बड़ी फिल्म की कहानी लीक हो सकती है। वहीं इस फिल्म की बात करें तो करण जौहर ने इस फिल्म के लिए अर्जुन बिजलानी, श्रीति झा और श्रद्धा आर्या को भी लिया है। टॉप टीवी एक्टर्स ने फिल्म में कैमियो भी किया है। इसके अलावा फिल्म में शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन भी नजर आने वाले हैं।

मलाइका अरोड़ा की प्रेग्नेंसी की खबरों पर अर्जुन कपूर ने तोड़ी चुप्पी

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा टिनसेल शहर के सबसे लोकप्रिय जोड़ों में से एक हैं। इस जोड़ी ने पिछले साल तब सुर्खियां बटोरीं जब मलाइका की प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैलीं। अर्जुन कपूर ने अपने बारे में चल रही अफवाहों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने झूठी अटकलों का दृढ़ता से खंडन करते हुए एक बयान जारी किया, जिससे उन्हें तेज गुस्सा जाहिर किया। अभिनेता ने अपनी रिपोर्ट के लिए मीडिया आउटलेट की आलोचना की जिसमें दावा किया गया कि मलाइका उनके बच्चे की मां बनने वाली है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, अभिनेता ने उस घटना को याद करते हुए अपने विचार साझा किए कि कैसे पूरी घटना ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया। बॉलीवुड बबल डॉट कॉम से बात करते हुए, गुंडे अभिनेता ने कहा, नकारात्मकता करना आसान है। मुझे लगता है कि यह लोगों को ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि यह कुछ समय से चल रहा है। सुनो, हम अभिनेता हैं, हमारा निजी जीवन हमेशा बहुत निजी नहीं होता है। एक निश्चित राशि है जो मौजूद है और आपको पहले से ही इस पेशे में शामिल होने के साथ ठीक होना होगा। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं। कि आप सभी कम से कम इस तथ्य से अवगत हों कि हम इंसान हैं।

आलिया भट्ट के नाना नरेंद्र राजदान का 93 साल की उम्र में निधन

आलिया भट्ट के नाना और सोनी राजदान के पिता नरेंद्र राजदान का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आलिया ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने दादा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके निधन की पुष्टि की। राजदान को पिछले हफ्ते मुंबई में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। अभिनेत्री ने अपने हाल के जन्मदिन से राजदान का एक वीडियो साझा किया, जहां वह रणबीर कपूर के साथ केक काट रहे थे और बाद में कैमरे के सामने बोल रहे थे। एक्ट्रेस ने अपने नानाजी की याद में उन्हें अपना हीरो बताते हुए एक लंबा नोट लिखा। एक्ट्रेस ने लिखा, मेरे नानाजी। मेरे नायक! 93 तक गोल्फ खेला, 93 तक काम किया, सबसे अच्छा आमलेट बनाया, बेहतरीन कहानियाँ सुनाईं, वायलिन बजाया, अपनी परपोती के

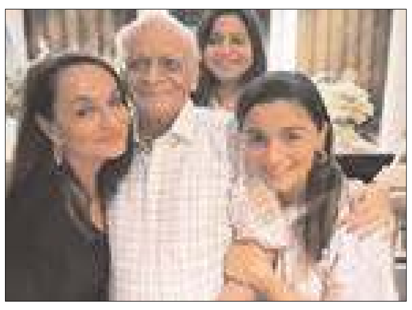

साथ खेला, उनके क्रिकेट से प्यार था, उनकी स्केचिंग पसंद आई, हमारे परिवार को प्यार किया और आखिरी क्षण तक.. उनकी जिंदगी को प्यार किया! दिल को छू लेने वाले नोट पर अपने नोट का समापन करते हुए, आलिया ने लिखा, मेरा दिल दुख से भरा है, लेकिन खुशी से भी भरा है। भगवान उनका साथ देखा हमारे फिर से मिलने तक। आलिया के पोस्ट को इंडस्ट्री में उनके दोस्तों के साथ-साथ प्रशंसकों से संवेदना और समर्थन के बहुत सारे संदेश मिले। फिल्म निर्माता करण जौहर ने लिखा, आपको एक विशाल हग भेजा जा रहा है। पिछले हफ्ते, राजदान के अस्पताल में भर्ती होने के बाद मुंबई लौटने के लिए आलिया ने दुबई में अवार्ड्स में अपनी उपस्थिति रद्द कर दी थी।

नरगिस ने वाराणसी में शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

नरगिस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर कई पोस्ट शेयर किए हैं। साझा की गईं तस्वीरों और वीडियो में वाराणसी की गलियों की झलक नजर आ रही है।

अभिनेत्री नरगिस फाखरी के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। एक्ट्रेस को जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर देखेंगे। नरगिस ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी है। उन्होंने बताया है कि इस प्रोजेक्ट की शूटिंग वाराणसी में कर रही हैं। नरगिस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर कई पोस्ट शेयर किए हैं। साझा की गईं तस्वीरों और वीडियो में वाराणसी की गलियों की झलक नजर आ रही है। इसके अलावा उन्होंने शूटिंग लोकेशन से भी फोटोज शेयर की हैं। एक फोटो में नरगिस को कैंप में आराम करते देखा जा सकता है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, अगले शूट का इंतजार हो रहा है। इसके अलावा नरगिस ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वाराणसी की गलियों का नजारा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, शूट लाइफ। एक अन्य इंस्टा स्टोरी में नरगिस ने वाराणसी की गलियों की दीवारों पर हुए भित्तिचित्रों को दिखाते हुए वीडियो शेयर की है और लिखा है, दीवारों पर बनी यह कलाकृति मुझे बेहद खूबसूरत लगती है। आपको बता दें कि बीते दिनों नरगिस इटली में छुट्टियां मनाकर लौटी हैं। नरगिस ने अपनी नई फिल्म को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। उनके करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2011 में रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म रॉकस्टार से की थी। इसके अलावा वह मद्रास कैफे, फटा पोस्टर निकला हीरो, मैं तेरा हीरो, किक, और हाउसफुल 3 जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह एक्शन कॉमेडी फिल्म स्पाई के जरिए हॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं।

बाफ्टा 2024 की तारीख का हुआ एलान!

दुनियाभर में ऑस्कर के बाद सिनेमा जगत के दूसरे महत्वपूर्ण अवॉर्ड माने जाने वाले बाफ्टा अवॉर्ड्स को जीतना भी हर अभिनेता, फिल्मकार और अभिनेत्री का सपना होता है। जहां पिछले दिनों में दुनिया भर में बाफ्टा अवॉर्ड्स की धूम रही थी। इसमें जहां केट विंसलेट को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था, वहीं बैड सिस्टर्स बेस्ट ड्रामा सीरीज बनकर उभरी थी। इस साल के अवॉर्ड्स का खुमार अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) ने अपने 2024 पुरस्कार की तारीखों का एलान कर दिया है। ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स की ओर से दिया जाने वाला यह अवॉर्ड समारोह 2024 में आखिर कब होने वाला है इसकी घोषणा हो चुकी है। एलान के अनुसार यह अवॉर्ड फंक्शन 2024 में 18 फरवरी, रविवार को होगा। अवॉर्ड की घोषणा अगले साल ऑस्कर से पहले ही कर दी जाएगी। दरअसल, 2024 में 96वां ऑस्कर 10 मार्च को होगा। ऐसे में बाफ्टा का एलान इससे तीन हफ्ते पहले हो जाएगा। हमेशा की तरह बाफ्टा अवॉर्ड्स की घोषणा 15-25 फरवरी तक चलने वाले बर्लिन फिल्म फेस्टिवल के दौरान होगा। पहला बाफ्टा अवार्ड 70 साल पहले 29 मई, 1949 में किया गया था। इसी में 1947 और 1948 के पुरस्कार सिनेमा जगत के कलाकारों को दिए गए थे। आपको बता दें कि शुरुआती दौर में यह समारोह अप्रैल या मई में होते थे, लेकिन 2001 से यह फरवरी में होने शुरू हो गए। आपको यह भी बता दें कि पहले यह अवार्ड लंदन में लीसेस्टर स्क्वायर स्थित फ्लैगशिप ओडियन सिनेमा में आयोजित किया जाता था। 2008 से इन्हें लंदन स्थित रॉयल ओपेरा हाउस में दिया जाने लगा था, लेकिन 2017 से इसे लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में आयोजित किया जाता है। इस साल का बाफ्टा अवार्ड्स 19 फरवरी को हुए थे। इसमें सिंगल ड्रामा में आई एम रुथ ने बाजी मारी है। केट विंसलेट अभिनीत यह एक महिला प्रधान ड्रामा एंथोलॉजी सीरीज है।

टीवी इंडस्ट्री पर पहले दिए विवादित बयान से पलटीं राधिका मदान

अभिनेत्री ने अपने बयान से पलटी मारते हुए कहा कि उन्होंने सबकुछ टीवी से ही सीखा है। दरअसल, राधिका मदान ने एक बार कहा था कि टीवी काम करने के लिए अच्छी जगह नहीं है। यह माध्यम आपको रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए कोई जगह नहीं देता है और आप कभी-कभी व्यक्तिगत जीवन के किसी भी दायरे के बिना 48 घंटे तक काम करते हैं।

अभिनेत्री राधिका मदान इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कच्चे लिंबू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अंग्रेजी मीडियम और कच्चे लिंबू जैसी फिल्मों से खास पहचान बनाई है। फिल्मी दुनिया में आने से पहले अभिनेत्री ने टीवी वर्ल्ड में काम किया था। बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने टीवी सेट पर कभी न खत्म होने वाले घंटों के बारे में बात की थी और एकता कपूर सहित कई लोगों ने उनकी टिप्पणियों की आलोचना की थी। अब अभिनेत्री ने अपने बयान से पलटी मारते हुए कहा कि उन्होंने सबकुछ टीवी से ही सीखा है। दरअसल, राधिका मदान ने एक बार कहा था कि टीवी काम करने के लिए अच्छी जगह नहीं है। यह माध्यम आपको रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए कोई जगह नहीं देता है और आप कभी-कभी व्यक्तिगत जीवन के किसी भी दायरे के बिना 48 घंटे तक काम करते हैं। अभिनेत्री के इस बयान के बाद उनकी आलोचना की गई और टीवी इंडस्ट्री की छवि को खराब बताने पर उन्हें कई सेलेब्स ने ट्रोल भी किया था। साथ ही एकता कपूर ने भी आरोप लगाया कि यह सब कहना उनके लिए सही नहीं था, क्योंकि टीवी ने उन्हें इतनी प्रसिद्धि दिलाई। हालांकि, राधिका ने अपने बयान पर पूरी तरह से यू-टर्न लिया। अभिनेत्री ने कहा मैंने सब कुछ टेलीविजन से सीखा है। जो आप टीवी पर सीख सकते हैं, वह आप कहीं और नहीं सीख सकते। लगभग दो साल तक टेलीविजन पर काम करने के बाद बढ़ी हुई फैन फॉलोइंग के बारे में पूछे जाने पर राधिका ने कहा कि फिल्म निर्माता काफी हैरान थे, क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एक टेलीविजन हस्ती इतनी प्रसिद्ध होगी। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे इतनी फॉलोइंग की उम्मीद नहीं की थी, लेकिन यह वह प्यार है जो आपको टेलीविजन से मिलता है। राधिका मदान ने टेलीविजन से फिल्मों में आने के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे यह उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा कि उनके पास डेढ़ साल से कोई काम नहीं था और वह अपनी बचत पर जीवन यापन कर रही थीं। टेलीविजन पर उनके कई सह-कलाकारों ने सुझाव दिया कि उन्हें शो नहीं छोड़ना चाहिए। राधिका ने शो मेरी आशिकी तुम से ही में मुख्य भूमिका निभाई थी। अभिनेत्री ने कहा कि जब मैं टीवी से फिल्म में आ रही थी तो कोई काम नहीं था, कुछ भी नहीं। भगवान की कृपा से मेरा शो हिट था और इसे उस चरम पर छोड़ना वास्तव में जोखिम भरा था और वह भी एक सपने के लिए जो मुझे नहीं पता था कि यह काम करेगा या नहीं। मुझे शून्य से शुरुआत करनी पड़ी, लेकिन मुझे विश्वास के दम पर लंबी छलांग लगानी पड़ी। बहुत सारे लोग मुझसे कह रहे थे कि यह सब कुछ भी काम नहीं करने वाला है, आपको वापस आना चाहिए और यहां दो से तीन साल और काम करना चाहिए।

NSS के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा गांव को गोद लेना

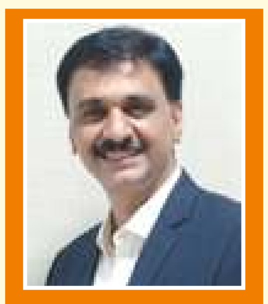

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

संस्थान आसपास के एक गांव का चयन कर सकते हैं और शाब्दिक अर्थ में गांव को गोद ले सकते हैं। अवधारणा कई गांवों का दौरा करने के बजाय एक विशेष गांव की पहचान करना और उसके साथ मिलकर काम करना है। एक गांव से जुड़े होने का फायदा यह है कि संस्थान के छात्र गांव के सभी पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं और विभिन्न मोर्चों पर काम करने में सक्षम होते हैं।

यह अवधारणा बड़ी सफलता के साथ पाई गई है क्योंकि छात्र वास्तविक समय में जमीनी हकीकत से मूल्यांकन करने में और उनके सामने आने वाली कुछ समस्याओं का तत्काल और दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने में सक्षम हैं। इस तरह की बातचीत से हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप वृद्धिशील परिवर्तन और क्षेत्रीय संदर्भ की आवश्यकता से उभरने वाले अभिनव समाधानों का उपयोग हुआ है। छात्र ऐसे मॉडल विकसित करने में सक्षम हैं, जो टिकाऊ हैं और लंबी अवधि के लिए कुशलता से काम करना जारी रख सकते हैं।

संस्थान के भौगोलिक क्षेत्र के भीतर गाँव का क्लस्टर आधारित विकल्प, छात्रों को उनकी पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों को प्रभावित किए बिना कई बार गाँव में फिर से आना आसान बनाता है।

हस्तक्षेप जागरूकता अभियानों के संचालन, स्वास्थ्य जांच अभियान, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए सुविधाओं की शुरूआत से लेकर हैं। उपभोक्ता अधिकारों, कानूनी सहायता, कम लागत वाले आवास की सुविधा और विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए धन या वित्त जैसे क्षेत्रों में समुदाय के बीच समग्र जागरूकता स्तर में सुधार हुआ है।

भू-भाग पर प्रतिक्रिया करके वर्षा जल संचयन तकनीकों की शुरूआत, जल तटवर्ती क्षेत्रों का सीमांकन, विरासत स्थलों का संरक्षण और पारंपरिक आजीविका की सुरक्षा ऐसी परियोजनाओं के कुछ परिणाम रहे हैं। साइट पर आने वाले छात्र काम करते हैं और यदि आवश्यक हो तो अल्प संसाधनों पर गांवों में रहते हैं और सभी की भलाई के लिए मानव प्रयासों के मूल्य सीखते हैं।

चूंकि अधिक से अधिक संस्थान धीरे-धीरे इस तरह की पहल कर रहे हैं, परिवर्तन और सफलता की कहानियां स्पष्ट हो गई हैं।

स्विट्ज़रलैंड के राजदूत डॉ. राल्फ हेकनर ने राज्यपाल से की मुलाकात; भारत के साथ मुक्त व्यापार के लिए हैं उत्सुक, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के लिए 'इनोवेशन प्लेटफॉर्म' करेंगे तैयार

मुंबई में स्विट्ज़रलैंड वाणिज्य दूतावास 108 वर्षों से है कार्यरत : राज्यपाल

सीताराम मेवाती

भारत में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत महामहिम डॉ राल्फ हेकनर ने महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम रमेश बैस से ३० मई २०२३ को मुंबई स्थित राजभवन में शिष्टाचार भेंट की. इस भेंट के दौरान राजदूत डॉ राल्फ हेकनर ने अनेक विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी. राजदूत ने बताया कि इस समय भारत में करीबन 330 स्विस कंपनियां कार्यरत हैं जिनमें से 150 अकेले महाराष्ट्र में स्थित हैं, इसलिए, स्विट्ज़रलैंड के लिए महाराष्ट्र सबसे महत्वपूर्ण राज्य है. इस बैठक में मुंबई में स्विट्ज़रलैंड के कौंसल जनरल महामहिम मार्टिन मायर भी मौजूद थे और यह बैठक बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई.

राजदूत हेकनर ने बताया कि 'इनोवेशन प्लेटफॉर्म' जहां व्यवसाय और विश्वविद्यालय एक साथ मिलकर काम करेंगे ताकि दोनों देशों के सम्बन्ध और मजबूत होंगे. उन्होंने कहा कि

स्विट्ज़रलैंड भारत से निवेश की उम्मीद कर रहा है. राजदूत ने राज्यपाल को बताया कि उन्होंने पुणे में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों के प्रमुखों से मुलाकात की थी. इसी सिलसिले में स्विट्ज़रलैंड भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करके इस व्यापार संबंध को मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है. हेकनर ने कहा कि स्विट्ज़रलैंड - भारत मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कुछ क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों के बारे में नीति निर्माताओं और उद्योग को सूचित करने के लिए मुंबई आए हैं.

राजदूत हेकनर ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार मुख्यालय और संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य सेवा के मुख्यालय भी स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में स्थित है. हर साल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का आयोजन भी दावोस में होता है। इन दोनों जगहों पर भारत की भागीदारी महत्वपूर्ण है इसलिए भारत की राय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान में रखा जाता है. राजदूत हेकनर ने आगे बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है की वर्ष 2047 में भारत की आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को एक सम्पूर्ण विकसित राष्ट्र बने. इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत-स्विट्ज़रलैंड मुक्त व्यापार समझौता जरूरी है.

राजदूत हेकनर ने कोरोना संक्रमण के बाद स्विस दूतावास के सभी कर्मचारियों को कोवीशील्ड की मात्रा मुहैया कराने के लिए भारत को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि स्विट्ज़रलैंड भारत से और अधिक निवेश के साथ-साथ नवोन्मेष और अनुसंधान सहयोग की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि जब से यश चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में अपनी फिल्मों की शूटिंग की है, तब से हर साल ढाई से तीन लाख भारतीय पर्यटक स्विट्ज़रलैंड आते हैं.

महामहिम राज्यपाल रमेश बैस ने उल्लेख किया कि स्विट्ज़रलैंड भारत का 11वां सबसे बड़ा निवेशक देश है और मुंबई में इसका वाणिज्य दूतावास 108 वर्षों से काम कर रहा है। गवर्नर ने कहा कि स्विट्ज़रलैंड एक ऐसा देश है जिसे सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल है और अगर दोनों देशों के बीच कौशल के आदान-प्रदान पर समझौता होता है तो भारत के युवाओं के कौशल से कई देशों को लाभ होगा.

महामहिम राज्यपाल जो की महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं इसी नाते दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच छात्र-साथ ही संकाय-आदान-प्रदान बढ़ाने की आशा प्रकट की और कहा की इसके अंतर्गत दोनों देशों के छात्रों के लिए काफी लाभकारी होंगे.

कपिल दुबे नियुक्त हुए आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल के नए खाद्य एवं पेय प्रबंधक; अपने साथ लाये हैं एक दशक से अधिक का अनुभव; एफ एंड बी उद्योग को विश्वभर में एक निरंतर विकसित होने वाला विभाग बताया

सीताराम मेवाती

खाद्य एवं पेय के क्षेत्र में जाने माने और एक दशक से ज्यादा अनुभवी कपिल दुबे को हाल ही में दक्षिण मुंबई के प्रतिष्ठित आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल के नए खाद्य और पेय प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया गया है. कपिल एक हसमुख स्वभाव का व्यक्तित्व रखते हैं और खाद्य एवं पेय में चिर परिचित नाम है. कपिल ने अपने कैटरिंग शिक्षा देश के प्रतिष्ठित इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग टेक्नोलॉजी गोवा (आई एच एम् गोवा) से हासिल की है.

कपिल ने अपने करियर की शुरुआत वेलकम ग्रुप मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, गुड़गांव से मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में की और निरंतर सफलता हासिल करते रहे. कैटरिंग इंडस्ट्री में उनका पहला पायदान आईटीसी होटल समूह के चेन्नई में सहायक एफ एंड बी सपोर्ट मैनेजर के रूप में हुआ. इसके बाद आईटीसी समूह के आईटीसी मराठा में बैंक्वेट मैनेजर के रूप में कार्य किया. इस समय वो मुंबई की मशहूर होटल आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल में अपने अनुभव का ज्ञान बाँट रहे हैं.

कपिल बताते हैं कि एफ एंड बी उद्योग पुरे विश्व में एक निरंतर विकसित होने वाला विभाग है. यहाँ पर ग्राहकों की विविध मांग होती है और मेहमानों की संतुष्टि के अनुसार सीखने और रचनात्मक रूप से वितरित करने के लिए अवसरों की अधिकता है.

कपिल अपने खाली समय में तैराकी और साइकिल चलाने जैसी गतिविधियों में शामिल होकर आराम करना पसंद करते हैं. वह विशुद्ध रूप से दैनिक जीवन में एंडोर्फिन को सक्रिय करने में विश्वास करते हैं.

वह एक स्वस्थ कार्य जीवन संतुलन बनाए रखते हुए और अक्सर ऑनलाइन उपलब्ध विभिन्न पॉडकास्ट को सुनकर स्वास्थ्य और जीवन शैली पर अपने ज्ञान को समृद्ध करते हैं. इसके अलावा वह बागवानी का भी आनंद लेते हुए इनडोर पौधों की खेती पर भी लगन से काम करते हैं.

कपिल कहते हैं कि मुंबई के परेल में स्थित आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल होटल एक जिम्मेदार लक्ज़री है, जो स्थानीय प्रेम, वन बाइट वंडर्स, ग्रीन बैंक्वेटिंग, स्लो फूड मूवमेंट, सात्विक फूड और ऐसे कई टिकाऊ और रचनात्मक एवं सुंदर अवधारणाओं का अभ्यास करता है. कपिल की आकांक्षाएं हर दिन एक बेहतर इंसान होने के सार तक जीने के साथ-साथ बड़े ऑपरेशन और विविध पोर्टफोलियो का नेतृत्व करते हुए पेशेवर ऊंचाइयों को छूना है.

वह इस संदेश के साथ आतिथ्य उद्योग में युवा वर्ग को विकसित करने के लिए कहते हैं. अपने पेशेवर जीवन में प्रतिभाशाली होने के गुण रखना बेहतरीन बात है लेकिन कभी भी कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं हो सकता.

नासिक लव जेहाद , मामले में आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: नासिक में एक लव जिहाद का एक सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है।

जिले के निफाड़ तालुका में रहने वाली 18 साल की निकिता नाम की एक हिन्दू लड़की को उसी के इलाके में किराने की दुकान चलाने वाला विवाहित रईस सय्यद जबरन गाड़ी में बैठाकर 27 मई को लेकर फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि रईस शादीशुदा और एक बच्चे का बाप है, इसके बावजूद वह लगातार उसे परेशान करता रहता था।

आरोपी पीड़िता को हमेशा ये कहकर परेशान करता था कि वो उसे बहुत पसंद करता है और उससे शादी करना चाहता है।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार आरोपी ने दादर जाने वाली ट्रेन पकड़ी और मुंबई पहुंचकर ठाणे के अम्बरनाथ में अपनी बहन के घर गया। जहां अम्बरनाथ पुलिस ने रईस सय्यद को हिरासत में ले लिया। इसके बाद मौके पर नासिक की निफाड़ पुलिस भी पहुंच गई और आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने निकिता को अपने कब्जे में लेकर परिवार को सौंप दिया है और गुरुवार को निफाड़ पुलिस ने आरोपी रईस के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी पर भादवी की धारा 363, 366, 354(D), 506 IPC, सेक्शन 3(2)(v), 3(2)(va), सेक्शन 12 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

मोदी ने नौ वर्षों में भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के 2004 से 2014 के कार्यकाल को एक ऐसा दशक करार दिया, जिसे उसने गंवा दिया, क्योंकि इस दौरान भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ही रहा, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ वर्षों के अपने कार्यकाल में भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मुकाम तक पहुंचा दिया। पार्टी मुख्यालय में यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की इस उपलब्धि को अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है।

एमवीए को सत्ता से बेदखल करने के तरीके से जनता में भारी आक्रोश : पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने शुक्रवार को कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र की सत्ता से पिछले साल जून में महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को बेदखल किया गया, उससे जनता में भारी आक्रोश है। उल्लेखनीय है कि उद्धव ठाकरे नीत एमवीए सरकार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायकों के बगावत करने से गिर गई थी जिसके बाद शिंदे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

खाप पंचायत ने सरकार को नौ जून तक का समय दिया

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में खाप महापंचायत ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग की और सरकार को इस पर कार्रवाई के लिए नौ जून तक का समय दिया। पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मुद्दे से संबंधित आंदोलन में उठाए जाने वाले अगले कदमों पर विचार-विमर्श करने के लिए यहां खाप महापंचायत की बैठक हुई।महापंचायत के बाद भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने संवाददाताओं से कहा कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख की गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपनी मांग पर कार्वाई करने के लिए सरकार को नौ जून तक का समय दे रहे हैं। टिकैत ने दावा किया कि मांग पूरी नहीं होने की सूरत में देशभर में महापंचायतें कर आंदोलन को तेज किया जाएगा। किसान नेता ने कहा कि मांग पूरी नहीं होगी तो पहलवान फिर से दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने लौटेंगे। विभिन्न खापों और किसान संगठनों के प्रतिनिधि शुक्रवार को हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से जाट धर्मशाला में पहुंचे। किसान संगठनों ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में खाप महापंचायत का आयोजन किया था जबकि पंजाब तथा हरियाणा में कई विरोध प्रदर्शन कर उन पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाई गई थी,

पीएम मोदी के 5000 अरब डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के लिए विश्वस्तरीय सड़कें जरूरी : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार भारत को 5000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए विश्वस्तरीय मानक की सड़कों की जरूरत है। वडोदरा शहर के समीप दुमद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने भरोसा दिया कि वर्ष 2024 तक भारत की सड़कें विश्व मानकों के अनुकूल होंगी।

उन्होंने कहा, आप देश के किसी भी हिस्से में जाएंगे आपको अच्छी गुणवत्ता के राष्ट्रीय राजमार्ग मिलेंगे। हमारा देश बदल रहा है। यह हमारे प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत को विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाए जो अपने गरीब और जरूरतमंद नागरिकों का ध्यान रखे। पीएम की परिकल्पना के तहत भारत को 5000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जरूरी है कि देश की सड़क अवसंरचना विश्वस्तरीय हो और हम इसे हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। बेहतर सड़कों पर जोर देते हुए कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने एक बार कहा था कि अमेरिका की सड़के इसलिए अच्छी नहीं हैं कि अमेरिका अमीर है बल्कि अमेरिका इसलिए अमीर है क्योंकि यहां की सड़कें अच्छी हैं। गुजरात में दो लाख करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2024 समाप्त होने से पहले देश भर के राजमार्ग विश्वस्तरीय और अमेरिका जैसे बेहतर होंगे।

भारतीय लोकतंत्र से पूरी दुनिया का लोक हित जुड़ा है : राहुल गांधी

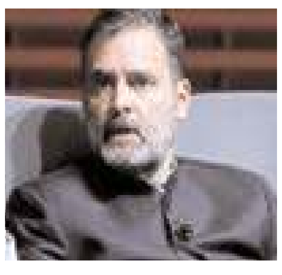

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र से पूरी दुनिया का लोकहित जुड़ा है और यदि उसमें बिखराव होता है तो इसका असर पूरे विश्व पर पड़ेगा तथा यह अमेरिका के भी हित में नहीं है। इसके साथ ही गांधी ने कहा कि लोकतंत्र देश का आंतरिक मामला है।गांधी इन दिनों अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने यहां बृहस्पतिवार को नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत में लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ना हमारा काम है और यह एक ऐसी चीज है, जिसे हम समझते हैं, जिसे हम स्वीकार करते हैं और हम ऐसा कर रहे हैं। गांधी ने कहा, लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि भारतीय लोकतंत्र पूरी दुनिया की भलाई के लिए है। भारत इतना बड़ा है कि यदि भारत के लोकतंत्र में बिखराव पैदा होता है तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसलिए यह आपको सोचना है कि भारतीय लोकतंत्र को आपको कितना महत्व देना है, लेकिन हमारे लिए यह एक आंतरिक मामला है और हम इस लड़ाई को लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम जीतेंगे। उन्होंने जाने-माने भारतीय अमेरिकी फ्रैंक इस्लाम द्वारा उनके स्वागत में आयोजित एक समारोह के दौरान भी लोकतंत्र संबंधी सवालों पर इसी प्रकार का जवाब दिया।

ओडिशा में मालगाड़ी टकराई, 50 लोगों की मौत

कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतरी

ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार शाम को कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने और एक मालगाड़ी के टकराने से जुड़े त्रिपक्षीय रेल हादसे में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई जबकि लगभग 350 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हावड़ा जा रही 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए और दूसरी पटरी पर जा गिरे। उन्होंने कहा, पटरी से उतरे ये डिब्बे 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए।

अधिकारी ने कहा कि कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद एक मालगाड़ी से टकरा गए, जिससे मालगाड़ी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई।

उन्होंने बताया कि हादसा शाम को करीब सात बजे, हावड़ा से करीब 255 किलोमीटर दूर बाहानगा बाजार स्टेशन पर हुआ।

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त सत्यव्रत साहू ने कहा कि अब तक 47 लोगों को बालासोर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप जेना ने कहा कि 132 घायलों को सोरो, गोपालपुर और खांटापाड़ा स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है, जबकि 47 लोगों को बालासोर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर मौजूद पीटीआई-भाषा के एक रिपोर्टर ने बताया कि पटरी से उतरे डिब्बों में कई लोग फंस गए और स्थानीय लोग उन्हें बचाने के लिए आपातकालीन सेवा कर्मियों की मदद कर रहे थे, लेकिन अंधेरा होने की वजह से अभियान में दिक्कतें आईं। अधिकारियों ने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विशेष राहत सचिव सत्यव्रत साहू और राजस्व मंत्री प्रमिला मलिक को दुर्घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना राहत ट्रेन को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि ओडिशा आपदा त्वरित प्रतिक्रिया बल (ओडीआरएएफ) की चार टुकड़ियां, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की तीन टुकड़ियां और 60 एंबुलेंस घायलों को बचाने के काम में जुटी हैं। दुर्घटना के मद्देनजर ओडिशा सरकार और रेलवे ने हेल्पलाइन की शुरुआत की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दुर्घटना से व्यथित हैं, और स्थिति का जायजा लेने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है।

उन्होंने कहा, ओडिशा में ट्रेन हादसे से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।